मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 264
रविवार, 12 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बस और पिकअप वैन की भिड़ंत में 13 की मौत, 31 घायल

कटिहार, 11 अप्रैल। कोढ़ा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर दादपुर और बसगारा चौक के बीच शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 लोग के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने आ रही है।

हादसा उस वक्त हुआ जब पूर्णिया से कुरसेला जा रही एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सामने से आ रही पिकअप वैन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की चपेट में पीछे चल रही एक स्कॉर्पियो और तीन बाइक भी आ गईं। मृतकों में पिकअप पर सवार नौ लोग और एक बाइक चालक शामिल हैं। बाइक सवार की पहचान पूर्णिया जिले के बरारा कोठी महादेव टोला निवासी सदानंद मुर्मू (32) के रूप में हुई है। वह कोढ़ा के मड़वा से घर लौट रहे थे। पिकअप पर सवार सभी लोग पूर्णिया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत सुहवा गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। बताया जाता है कि पिकअप लगभग 35 लोग सवार थे। वे झारखंड के दुमका में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। पिकअप पर लगे बैनर से यह जानकारी मिली है, जिसमें जियन मारांग बुरु जय शंकर सहित अन्य विवरण अंकित था। मृतकों में पिकअप चालक चिंतामणि महतो और 10 वर्षीय बच्ची राधिका की पहचान हो चुकी है। इसके अलावा पूर्णिया मेडिकल कालेज अस्पताल में इलाज के दौरान तीन और लोगों की मौत हो गई, जिनमें तल्लू सोरेन और दुर्गा बासुकी की पहचान हुई है, जबकि एक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। घटना में स्कॉर्पियो सवार और दो अन्य बाइक चालक समेत आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें

उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल भेजने की व्यवस्था की। हादसे की जानकारी मिलते ही जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पोस्टमार्टम हाउस परिसर में मृतकों के स्वजनों की भारी भीड़ जमा हो गई। अपनों को खोने के गम में परिजन बिलखते नजर आए और चारों ओर चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। स्थिति को देखते हुए प्रशासन की ओर से लोगों से शांति और व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। डीएम ने बताया कि मृतकों के स्वजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की सहायता दी जाएगी, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र नाथ सिंह, डीएस डॉ. शंभु चौधरी सहित एसडीओ, एसडीपीओ और अन्य पुलिस पदाधिकारी मौके पर मौजूद थे। सिन्हू-कानू की पूजा कर झारखंड से लौट रहे आदिवासी समाज के श्रद्धालुओं की कोढ़ा में बस और मैजिक की भीषण टक्कर में 10 लोगों की मौत तथा दो दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की दुखद सूचना मिलने पर पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। घटना में मरने वाले और घायल लोग पूर्णिया पूर्वी के निवासी हैं। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन ली हैं और यह पूरे समाज के लिए पीड़ादायक क्षण है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि आदिवासी समाज के लोग पूजा-अर्चना कर अपने घर लौट रहे थे, तभी यह दर्दनाक दुर्घटना हो गई, जिसने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। घटना की जानकारी मिलते ही सांसद पप्पू यादव ने अपने प्रतिनिधि राजेश यादव सहित अन्य सहयोगियों को तत्काल जीएमसीएच भेजा, ताकि घायलों को बेहतर इलाज में हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा सके। कुछ घायलों का इलाज जीएमसीच और कुछ का इलाज कटिहार में चल रहा है। सांसद ने कहा कि इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा रहना हम सभी का मानवीय दायित्व है और जरूरत पड़ने पर हरसंभव मदद की जाएगी। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि राजेश यादव ने कहा कि घायलों के उपचार की व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा अस्पताल प्रशासन से समन्वय कर हर आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इस्लामाबाद वार्ता के बावजूद ईरान का सख्त संदेश- अमेरिका पर विश्वास नहीं, उंगली ट्रिगर पर रहेगी

इस्लामाबाद, 11 अप्रैल। इस्लामाबाद में शांति वार्ता के बावजूद ईरान की सरकारी प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने सख्त रुख दिखाते साफ कहा है कि बातचीत के बावजूद उनकी उंगलियां ट्रिगर पर रहेंगी। उनका यह बयान दशार्ता है कि तेहरान किसी भी स्थिति के लिए तैयार है और अपने अधिकारों से समझौता नहीं करेगा उन्होंने यह भी कहा कि ईरान बातचीत में विश्वास करता है, लेकिन अमेरिका पर भरोसा नहीं करता। यही वजह है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल बेहद सावधानी और रणनीति के साथ वार्ता में हिस्सा ले रहा है।

इस बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने शहबाज शरीफ से मुलाकात की, जो इस पूरे कूटनीतिक घटनाक्रम का अहम हिस्सा है।

शहर का सेरेना होटल इस समय कूटनीतिक गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है, जहां भारी सुरक्षा के बीच दोनों देशों के प्रतिनिधि मौजूद हैं। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मोहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं, जबकि अमेरिकी टीम में स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनेर भी शामिल हैं। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने भी साफ कहा है कि समझौता इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका "America First" नीति अपनाता है या "Israel First"।

रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरानी विमान को पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते समय अहअउर और फाइटर जेट्स के साथ सुरक्षा दी गई, जो इस मिशन की संवेदनशीलता को दिखाता है।

इस्लामाबाद की वार्ता में एक तरफ बातचीत है, तो दूसरी तरफ युद्ध की तैयारी का संकेत भी।

ट्रिगर पर उंगली वाला बयान साफ करता है कि शांति की राह अभी भी बेहद नाजुक और अनिश्चित है।

ईरान संकट के बीच 312 भारतीय मछुआरों की वतन वापसी, आर्मेनिया बना सेफ कॉरिडोर

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। नई दिल्ली से बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। एस. जयशंकर ने बताया कि ईरान में फंसे 312 भारतीय मछुआरों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया है। इन मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते निकाला गया। जयशंकर ने इस मदद के लिए आर्मेनिया सरकार और अपने समकक्ष अरारात मिर्जोयान का धन्यवाद किया। इससे पहले भी भारत सरकार ने लगातार प्रयास कर-के ईरान से अपने नागरिकों को निकालने का काम जारी रखा है। जानकारी के मुताबिक, अब तक 1200 से ज्यादा भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इनमें से 996 लोगों को आर्मेनिया और 204 लोगों को अजरबैजान के जरिए बाहर निकाला गया। इनमें

बड़ी संख्या छात्रों की भी है। पीयूष गोयल ने इस वापसी को खुशी का दिन बताया। उन्होंने कहा कि यह मछुआरे लंबे और मुश्किल सफर के बाद अपने घर लौटे हैं, जिसमें उन्हें करीब 20 घंटे की यात्रा करनी पड़ी। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने इस पूरे ऑपरेशन में दिन-रात काम किया और जमीनी स्तर पर समन्वय बनाकर यह मिशन सफल बनाया।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और संघर्ष के कारण भारतीय नागरिकों की सुरक्षा खतरे में थी। ऐसे में भारत सरकार ने तुरंत कदम उठाते हुए अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की योजना बनाई। यह ऑपरेशन भारत की मजबूत कूटनीति और त्वरित कार्रवाई का उदाहरण है। इससे यह साबित हुआ कि संकट के समय भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

टीएमसी की लूट-झूठ की दुकान बंद होने वाली हैः पीएम मोदी

कोलकता, 11 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि टीएमसी की लूट और झूठ की राजनीति, उसका आतंक का राज जल्द ही खत्म होगा। उन्होंने आगे कहा कि टीएमसी अन्य राज्यों में चुनाव जीतने में विफल रही क्योंकि उसके पास न तो कोई इरादा है और न ही कोई नीति। पीएम मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी उन्हें लगातार गालियां देती है, झूठे दावे करती है लेकिन पिछले 15 वर्षों में बंगाल के लिए उसने क्या किया, यह बताने में विफल रहती है।

पीएम मोदी ने टीएमसी से पूछा कि यह टीएमसी सरकार यहां 15 वर्षों से सत्ता में है। इन्होंने 15 वर्षों में क्या किया?... अब सोचिए, अगर इन्होंने 15 वर्षों में कुछ नहीं किया, तो क्या इन्हें और 5 वर्ष देकर

आपको कुछ मिलेगा?... इन्होंने बंगाल को कौन सा विकास मॉडल दिया है? ये लोग इन 15 वर्षों की बात नहीं करते क्योंकि तब टीएमसी के झूठ, धोखे और कुकर्मों का पदार्फाश हो जाएगा।

15 वर्षों में टीएमसी ने केवल एक ही मॉडल विकसित किया है। यहां सरकार सिंडिकेट है और सरकार सिंडिकेट है। पीएम मोदी ने कहा कि यह भय को हराने की लड़ाई है, यह बंगाल को विश्वास के बल पर आगे बढ़ाने की लड़ाई है। आज मैं आपको आश्वस्त करने आया हूं कि टीएमसी के भय का राज अब समाप्त होने वाला है... टीएमसी के झूठ और लूट की दुकान अब बंद होने वाली है। भय बंगाल से चला जाएगा, अब बंगाल में विश्वास आएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी बंगाल के बाहर कई जगहों पर चुनाव लड़ने गई है और वह त्रिपुरा, असम और गोवा में चुनाव लड़ने गई है। कहीं से भी कोई उन्हें एक वोट तक नहीं देता। पड़ोसी राज्यों ने उन्हें मान्यता दे दी है, लेकिन उनकी बेईमानी और गुंडागर्दी वहां काम नहीं आती, और इसीलिए कोई उनकी परवाह नहीं करता... टीएमसी बंगाल के बाहर जीत नहीं सकती क्योंकि उनके पास कोई दूरदृष्टि नहीं है, कोई विचार नहीं है, कोई नीति नहीं है, कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि मैदान पर मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच की प्रतिद्वंद्विता ऐतिहासिक है और दोनों टीमें जीत हासिल करने के लिए अपना पूरा जोर लगा देती हैं।

पीयूष गोयल बोले- स्टालिन परिवार चला रहा है माफिया राज

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने 11 अप्रैल को चेन्नई में भाजपा के एक मीडिया केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे भाजपा और मीडिया पेशेवरों के बीच एक सेतु बताया, जिसका उद्देश्य पार्टी और मीडिया के बीच संवाद को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र आधुनिक सुविधाओं और डिजिटल कनेक्टिविटी से सुसज्जित है और मीडिया की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। यह केंद्र सीधे सामग्री अपलोड और प्रसारित करने के साथ-साथ साक्षात्कार और संवाद की सुविधा भी प्रदान करता है।

गोयल ने केंद्र के शुभारंभ के समय पर जोर देते हुए कहा कि यह चुनावों के बीच विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन भविष्य में भी मीडिया पेशेवरों के लिए उपयोगी रहेगा।

सोनभद्र में हाईवा और ट्रक की टक्कर के बाद लगी भीषण आग, दो लोग जिंदा जले

सोनभद्र, 11 अप्रैल। हाथीनाला-रेणुकूट मार्ग पर शनिवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हथवानी गांव के भतहिया पुलिया के पास राख लदे हाइवा और दूध से भरे ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में तुरंत आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा ओवरटेक के दौरान हुआ। हाथीनाला की ओर से आ रहा केशर बदाम दूध लदा ट्रक सामने से आ रहे राख लदे हाइवा से जा भिड़ा। टक्कर के बाद दोनों वाहन धू-धूकर जलने लगे। दुर्घटना में ट्रक के खलासी 21 वर्षीय बबलू निवासी सरौनी, खलीलाबाद की जलकर मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं एक अन्य व्यक्ति की भी जलने से मौत होने की सूचना है, जिसकी पहचान देर रात तक नहीं हो सकी। हादसे में ट्रक चालक 28 वर्षीय सरजू निवासी रत्तूपुर, थाना बिरजौनगंज, जनपद महाराजगंज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल हिंडाल्को अस्पताल, रेणुकूट में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और राहत टीम ने आग बुझाने और बचाव कार्य शुरू किया। वाहनों में फंसे शवों को निकालने के लिए देर रात तक बैकहो लोडर की मदद से प्रयास चलता रहा। हादसे के चलते मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हादसे के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और राहत टीम ने आग बुझाने और बचाव कार्य शुरू किया। वाहनों में फंसे शवों को निकालने के लिए देर रात तक बैकहो लोडर की मदद से प्रयास चलता रहा। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

219 रन बनाने के बाद भी हार गई सनराइजर्स हैदराबाद

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। अभिषेक शर्मा (74) और ट्रेविस हेड (38) के बीच 49 गेंदों पर 120 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप के चलते शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 20 ओवर में 219 रन बनाए दिए। जब यह दोनों बल्लेबाज मैदान पर थे तो लग रहा था कि हैदराबाद 250 के पार पहुंच जाएगा।

हालांकि, कभी-कभार गेंदबाजी करने वाले शशांक सिंह ने हैदराबाद के ओपनर को अपने जाल में फंसाकर मैच का रुख ही पलट दिया। 220 रन के टारगेट को पजाब ने प्रियांश आर्य (57), प्रभसिमरन सिंह (51) और कप्तान श्रेयस अय्यर (69) के अर्धशतक की मदद से 7 गेंद पहले ही हासिल कर लिया और 6 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया।

हार के बाद हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन ने इसके कारण गिनाए। उन्होंने कहा, जिस तरह से हमने शुरूआत की थी, हम कम से कम 250 रन बना सकते थे। हम उतने रन नहीं बना पाए। ओपनर ने शुरूआत में अच्छी बल्लेबाजी की और पावरप्ले का भी उन्हें फायदा मिला। मुझे लगता है कि हम गेंदों को सही तरीके से अंजाम नहीं दे पाए। जैसा कि मैंने पहले कहा, टी20 क्रिकेट में सबसे महत्वपूर्ण चीज अच्छी गेंदों को सही तरीके से खेलना है। इसलिए आज हम उतने अच्छे नहीं थे।

स्कोर को लेकर ईशान ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि 219 रन वैसे भी अच्छा स्कोर था, क्योंकि हमने बहुत अच्छी शुरूआत की थी। हमें लगा था कि हम 240 रन बना सकते हैं। मुझे लगता है कि 219 रन बहुत अच्छा स्कोर था, खासकर जब आपकी टीम में छह या सात अच्छे गेंदबाज हों। हमें बल्लेबाजों को समझना होगा, वे कैसे बल्लेबाजी करेंगे, वे क्या करेंगे। मुझे लगता है कि उस समय हम चूक गए। यह उनकी बल्लेबाजी में साफ दिखाई दिया कि उनके लिए रन बनाना काफी आसान था। कप्तान के तौर पर अपने गेंदबाजों के साथ चर्चा के बारे में ईशान ने कहा, मुझे लगता है कि आज के क्रिकेट में ज्यादा प्लान बनाने की जरूरत नहीं होती। बस मैच से पहले ही योजना बना लेते हैं। आपको पता होता है कि कौन सा बल्लेबाज किस तरफ शॉट खेलने का आदी है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

बे-असर सीज-फायर,वैश्विक मानवता का संकट यथावत

संजीव ठाकुर

महायुद्ध, सीजफायर और कूटनीतिक उलझनों के बीच वर्तमान वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे त्रिशंकु की स्थिति को जन्म देता दिखाई दे रहा है। जिसमें न केवल क्षेत्रीय शक्तियां बल्कि वैश्विक महाशक्तियां भी उलझती नजर आ रही है। अमेरिका, इजरायल, ईरान और पाकिस्तान के बीच चल रहा यह तनाव अब केवल सीमित अमेरिका इजरायल और ईरान के मध्य नहीं रह गया यह युद्ध एक वैश्विक सामरिक आर्थिक और सामाजिक संकट को पैदा कर रहा है यह महायुद्ध अविश्वास, रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक विफलताओं का एक जटिल और बहुस्तरीय मानवता विरोधी संघर्ष बन चुका है। हाल के घटनाक्रम में अमेरिका द्वारा प्रस्तावित सीजफायर को एक संभावित समाधान के रूप में देखा जा रहा था। जिसमें लेबनान को भी शामिल किया गया, इस प्रस्ताव को प्रारंभिक स्तर पर एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा गया था क्योंकि इससे ऐसी उम्मीद जगी थी कि लगातार हो रही बमबारी और नागरिकों की मौतों पर कुछ हद तक विराम लग सकेगा।किंतु युद्ध के घटनाक्रम में ऐसी करवट ली जिससे उसने इस आशा को बहुत जल्दी निराशा में बदल दिया है और संकट की संभावनाओं को और भी जटिल तथा संघर्षपूर्ण बना दिया।

सीजफायर लागू होने के बावजूद इजरायल द्वारा लेबनान पर लगातार हमले जारी करके हजारों इमारतों को ध्वस्त कर दिया है,यह स्पष्ट संकेत है कि युद्ध के मैदानी स्तर पर सैन्य रणनीति और कूटनीतिक घोषणाओं के बीच बहुत गहरा भयानक परिणाम देने वाला अंतर मौजूद है, इस दौरान सैकड़ों निर्दोष नागरिकों की मौत से यह संघर्ष को केवल रणनीतिक या सैन्य मुद्दा नहीं रह गया है बल्कि इसे एक गहरे संवेदनशील मार्मिक मानवीय संकट में बदल दिया है।

यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों की गंभीर अवहेलना को भी उजागर करती है और वैश्विक स्तर पर संस्थाओं की प्रभाव पर सवाल खड़े करती है। महायुद्ध में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका लगभग प्रभावहीन है वैसे भी संयुक्त राष्ट्र संघ विगत कुछ वर्षों से निष्क्रिय सा दिखाई देने लगा है उसकी अपील पर बड़े और बाहुबली देश अब ध्यान देना बंद कर चुके हैं संयुक्त राष्ट्र संघ के अस्तित्व पर कई सवालिया निशान मौजूद हैं।अमेरिका की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत जटिल विरोधाभासी और अविश्वसनीय दिखाई देती है।एक ओर वह स्वयं को शांति का पक्षधर और मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत कर के सीजफायर का प्रस्ताव रख क्षेत्र में स्थिरता की बात करता है, वहीं दूसरी ओर उसके सहयोगी इजरायल द्वारा उसी सीजफायर का उल्लंघन किए जाने पर उसकी प्रतिक्रिया अस्पष्ट नकारात्मक और कमजोर नजर आती है।इससे यह धारणा मजबूत होती है कि अमेरिका की नीतियां नैतिकता से अधिक रणनीतिक और व्यापारिक हितों से संचालित हो रही हैं, विशेष रूप से मध्य पूर्व में उसकी दीर्घकालिक रणनीति, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक प्रभुत्व की नीति इस पूरे घटनाक्रम को प्रभावित कर रही है।

दूसरी तरफ ईरान इस संघर्ष में अपने पारंपरिक प्रतिरोधी रुख को और अधिक सुदृढ़ करता हुआ दिखाई देता है, वह न केवल इजरायल की कार्यवाइयों का खुलकर विरोध कर रहा है बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर अपने प्रभाव को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत है।ईरान के लिए यह संघर्ष केवल सैन्य नहीं बल्कि वैचारिक और राजनीतिक भी है जिसमें वह स्वयं को क्षेत्रीय संतुलन के एक महत्वपूर्ण ध्रुव के रूप में स्थापित करना चाहता है।

पाकिस्तान की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक दुविधाजनक और जटिल बन गई है, उसने अमेरिका के संदेश को ईरान तक पहुंचाकर एक मध्यस्थ की भूमिका निभाने का प्रयास किया, यह प्रयास कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था क्योंकि इससे यह संकेत मिलता है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति प्रक्रिया में अपनी भूमिका स्थापित करना चाहता है, किंतु जब अमेरिका स्वयं अपने प्रस्ताव से पीछे हटता हुआ नजर आया और इजरायल ने सीजफायर का उल्लंघन जारी रखा, तब पाकिस्तान की स्थिति कमजोर पड़ गई है।वह न तो पूरी तरह अमेरिका के साथ खड़ा रह सका और न ही ईरान के साथ खुलकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर पाया, परिणामस्वरूप वह एक त्रिशंकु बनकर युद्ध की विचित्र स्थिति में फंस गया है। जहां उसकी विश्वसनीयता और कूटनीतिक संतुलन दोनों पर संकट उत्पन्न हो गया है, पाकिस्तान के सामने यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है क्योंकि उसे अपने पारंपरिक पश्चिमी सहयोगियों और इस्लामी विश्व के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ता है।इस पूरे घटनाक्रम में लेबनान सबसे अधिक पीड़ित पक्ष के रूप में सामने आया है जहां आम नागरिकों को इस संघर्ष की सबसे बड़ी कीमत चुकानी है। उसका बुनियादी ढांचा नष्ट हो चुका है, हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं और मानवीय संकट दिन-प्रतिदिन गहराता जा रहा है।

यह स्थिति वैश्विक समुदाय के लिए एक चेतावनी है कि यदि समय रहते प्रभावी और निष्पक्ष हस्तक्षेप नहीं किया गया तो यह संघर्ष व्यापक महायुद्ध का रूप ले सकता है। वर्तमान परिस्थितियां यह भी दर्शाती हैं कि वैश्विक राजनीति में शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है और पारंपरिक गठबंधन अब पहले की तरह स्थिर नहीं रह गए हैं, अमेरिका की नीतिगत अस्थिरता, इजरायल की आक्रामक सैन्य रणनीति, ईरान की दृढ़ प्रतिरोध क्षमता और पाकिस्तान की असमंजसपूर्ण कूटनीति मिलकर एक ऐसे जटिल संकट को जन्म दे रही हैं जो न केवल मध्य पूर्व बल्कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।इसके साथ ही यह भी स्पष्ट होता जा रहा है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं बल्कि सूचना, कूटनीति और वैश्विक जनमत के स्तर पर भी लड़े जा रहे हैं। इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक आवश्यकता एक ऐसे संतुलित, पारदर्शी और निष्पक्ष कूटनीतिक प्रयास की है जो केवल राजनीतिक और सामरिक हितों से प्रेरित न होकर मानवीय मूल्यों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और स्थायी शांति की अवधारणा पर आधारित हो, अन्यथा यह त्रिशंकु स्थिति केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि यह समूचे वैश्विक तंत्र को अस्थिरता, अविश्वास और संघर्ष की गहराई में धकेल सकती है।जहां से निकलना न

समाज सुधार के दो दीप ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले

-आरती चौगुले-विनायक फीचर्स

महात्मा ज्योतिराव फुले व सावित्रीबाई फुले इन नामों से कोई भी अपरिचित नहीं है। संपूर्ण विश्व में विशेषतः महाराष्ट्र में यह पति-पत्नी पूजनीय है। सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम शिक्षिका के रूप में पहचानी जाती है। पिछड़े हुए रूढ़िवादी, अंधश्रद्धा, छुआछूत, जातिभेद आदि बुराइयों, कुरीतियों से ग्रसित समाज में, इन्होंने क्रांति की मशाल जलाई और समाज को एक नई दिशा देकर अजर अमर हो गये।

ज्योतिबा का जन्म 11 अप्रैल 1827 को कटगुण सातारा में एक रूढ़िवादी पिछड़े हुए माली परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम गोविंदराव व माता का नाम चिमणाबाई था। इनके बड़े भाई का नाम राजाराम था। पिता का एक बाग था और वे फूल बेचने का कार्य करते थे, इसलिये इनका उपनाम फुले पड़ गया। छोटी आयु में ही इनकी माता का देहान्त हो गया, और सगुणाबाई-क्षीरसागर नाम की मौसेरी बहन ने इनका लालन-पालन किया।

बचपन से ही ज्योतिबा कुशाग्र बुद्धि थे। शिक्षा के प्रति रुझान था। पढने में रूचि थी। इनकी प्रतिभा देखकर, इनके पिता ने विद्यालय में दाखिला करवा दिया। कक्षा में वह मेधावी छात्रों में से थे। उस समय निम्न जाति के लोगों को और स्त्रियों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रखा जाता था। इसी कारण कुछ लोगों ने गोविंदराव को फुसलाना शुरू किया, कहते 'ज्योतिबा' को पढ़ा-लिखा कर क्या करोगे? करना तो उसको बगीचा, खेती की देखभाल और उसका पारिवारिक फूल बेचने का व्यवसाय ही है।

फलस्वरूप उनके पिता ने उनको विद्यालय से निकाल लिया और खेती के कामों में लगा दिया, लेकिन ज्योतिबा के मन में पढ़ने की तीव्र लालसा थी। वे खेत में ही वृक्ष के नीचे बैठकर मिट्टी में अक्षर लिखते रहते थे। तीन वर्ष इसी तरह बीतने के पश्चात 'स्कॉट इंग्लिश मीडियम स्कूल में ज्योतिबा ने पुनः विद्यार्जन प्रारंभ किया। उस समय समाज में एक और कुप्रथा थी 'बाल-विवाह । कुल तेरह वर्ष की आयु में ज्योतिबा का विवाह नौ वर्ष की सावित्री के साथ हो गया। सावित्री सातारा जिले में नायगाँव की रहनेवाली भोली-भाली निर्भीक और चंचल बालिका थी। इनके पिता का नाम खंडोजी नेवसे पाटिल था।

सहेलियों के साथ पेड़ पर चढकर बेर-इमली तोड़ना, भाँति-भाँति के खेल खेलना यही उसकी दिनचर्या थी। किसी भी प्रकार का अन्याय वह सहन नहीं करती थी। अन्याय होते हुए देख भी नहीं सकती थी। उस समय समाज में स्त्रियों की स्थिति दयनीय थी। स्त्रियों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रखा गया था। छोटी उम्र में विवाह, मातृत्व का बोझ, संयुक्त परिवार में दिनभर घर

के काम, बच्चों की परवरिश, इतना ही स्त्रियों का दायरा था। यदि कोई लड़की बाल उम्र में ही विधवा हो जाती, तो परिवार और समाज उसका जीना दुश्वार कर देते। अच्छा खाना, अच्छा पहनना तो वह सोच भी नहीं सकती थी। सती प्रथा जैसी कुप्रथाएं समाज में व्याप्त थी। राजा राममोहन राय और केशवचंद्र सेन ने इन कुरीतियों का जमकर विरोध किया।

ज्योतिबा ने भी इन कुप्रथाओं का जमकर विरोध किया और स्त्री शिक्षा का शुभारंभ इन्होंने अपने घर से ही सावित्री को अक्षर-ज्ञान करा के किया। सावित्री भी कुशाग्र बुद्धि की थी। पठन-पाठन में उसकी विशेष रूचि थी। शीघ्र ही उन्होंने शिक्षा को आत्मसात कर लिया था, किंतु यह सब इतना सरल नहीं था। स्त्री शिक्षा के विरोधी समाज ने उन पर अनेकानेक अत्याचार किये। उन पर पत्थर फेंके, गोबर, कीचड़ फेंका, मानसिक यातनाएं दी, फिर भी यह दंपत्ति अपने पथ से विचलित नहीं हुए।

शनैः शनैः समाज में कुछ लोग स्त्री शिक्षा का अनुमोदन करने लगे। उनको शिक्षा का महत्व समझ में आने लगा। वे अपने घर की महिलाओं को पढ़ने के लिये विद्यालय में भेजने लगे। सावित्रीबाई, उन स्त्रियों को बहुत प्रेम से, अपनत्व से पढ़ाती थी। इस प्रकार देश की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई हुई। शिक्षा का प्रसार तीव्र गति से हो रहा था। ज्योतिबा ने (22) बाईस विद्यालय खोले। सत्य-शोधक समाज की स्थापना की। देश में प्रचलित कुरीतियों का विरोध किया। कुरीतियों और अज्ञान के अंधकूपों में पड़े हुए समाज में ज्ञान की ज्योति जलाई और अपने ज्योतिबा नाम को सार्थक किया। सावित्रीबाई, अपने पति के पदचिन्हों पर चलती रही और पति के संपूर्ण कार्यों में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा। एक बार महाराष्ट्र में अकाल पड़ गया तब सावित्रीबाई ने रोज दो हजार भाकरी (ज्वार की रोटी) बनाकर गरीबों को खाना खिलाया। स्वयं के घर का कुआँ, अस्पृश्यों को पानी भरने के लिये खोल दिया। बालहत्या, भ्रूणहत्या जैसे अपराधों को रोका। सारी उम्र इस दंपत्ति ने सामाजिक कार्यों में तन-मन-धन से अपने आप को झौंक दिया। इस सब के लिये उनको अनेक यातनाएं झेलनी पड़ी। धर्म के ठेकेदारों ने उनको अनेक प्रकार से प्रताड़ित किया, यहाँ तक कि ज्योतिबा के पिता ने उनको परिवार से निष्कासित कर दिया। 73 वर्ष की उम्र तक उन्होंने क्रांति की मशाल थामे रखी। गुलामगिरी ज्योतिबा के द्वारा लिखी पहली पुस्तक है। 73 वर्ष की उम्र में पक्षाघात का आक्रमण उन पर हुआ। सावित्रीबाई ने अपने पति की खूब सेवा की। इस दंपत्ति की अपनी कोई संतान नहीं थी। दूसरों के बच्चों पर यह ममतामयी माँ अपनी ममता लुटाती रही। एक अनाथ बच्चे को गोद लेकर डॉक्टर बनाया। ज्योतिबा ने उनकी मृत्यु के समय उनकी अंतिम इच्छा व्यक्त की थी कि उन्हें उनके घर के आँगन में दफन किया जाय। परंतु तत्कालीन सरकार ने उनकी इस इच्छा का विरोध किया, और रीति-रिवाज के अनुसार उनका दाह-संस्कार किया गया। सावित्रीबाई ने पति की अर्थी के आगे चलकर पति की चिता को मुखाग्नि दी। इस तेजोमय नारी को मेरा शतशःवंदन। पति की मृत्यु के पश्चात भी, इन्होने समाजसेवा का जो व्रत लिया था उसे अखंड चालू रखा।

1897 में महाराष्ट्र में प्लेग फैला हुआ था। शरीर में किसी स्थान पर गाँठ होती थी और चौबीस घंटे में व्यक्ति मृत्यु के आधीन हो जाता था। एक-एक घर में से चार-चार व्यक्ति मृत्यु के मुख में जा रहे थे। सावित्रिबाई घर-घर में जाकर, प्लेग से पीड़ित लोगों की सेवा सुश्रुषा कर रही थी। उनको स्वयं के प्राणों की तनिक भी परवाह नहीं थी। अपने गोद लिये बेटे यशवंत को जो नागपुर में कार्यरत था, उन्होंने पूना बुला लिया। सावित्रीबाई रोगियों को कंधे पर लादकर अस्पताल पहुँचाया करती थी। ऐसे ही एक बालक को कंधे पर लादकर ले जाते समय रोग का संक्रमण उन्हें हो गया और प्लेग की इस महामारी में, दस मार्च 1897 के दुर्भाग्यशाली दिन ये अनाथों की माँ, लाखों लोगों की श्रद्धास्थान अपनी इहलोक की यात्रा समाप्त कर के अनंत में विलीन हो गयी। वे नायगाँव जैसे ग्रामीण परिवेश में पली-बढ़ी, निरक्षर कन्या थीं जिसके पास अदम्य साहस, धैर्य, निर्भरता और लगन जैसे सद्गुण थे। इन सद्गुणों से अलंकृत सावित्रीबाई को मेरा कोटि-कोटि नमन। आजीवन इस दंपत्ति को समाज ने यातनाएं, त्रास, विवंचना ही दी किंतु उन्होंने स्त्री शिक्षा का जो छोटा सा पौधा लगाया था आज वह वटवृक्ष का रूप ले चुका है। पुणे में आज भी सावित्री बाई फुले विद्यापीठ अस्तित्व में है। उनके घर को महाराष्ट्र सरकार ने संग्रहालय का रूप दिया है। प्रत्येक सफल पुरूष की सफलता के पीछे एक स्त्री होती है। महात्मा ज्योतिराव फुले के कार्यों में उनकी सहधर्मिणी, सहचरी पत्नी का पूर्ण योगदान था। पति-पत्नी दोनों ही एक रूप थे शायद इसलिये इस दांपत्य का समाज के प्रति अमूल्य योगदान है।

सोते समाज के लिए बाबा साहेब ने जागकर लिखा संविधान

इस तरह हौसले आजमाया करो। मुश्किले देखकर मुस्कराया करो। दो निवाले भले ही कम खाया करो लेकिन अपने बच्चों को पढ़ाया करो।

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का देश की 90 फीसदी आबादी के लिए यहीं संदेश था। वह चाहते थे कि हर युग में कोई न कोई रहनुमा शोषितों का रहना चाहिए। वह जानते थे कि रहनुमाई राजनीति से ही मिलेगी, इसीलिए उन्होंने हवाई चप्पल पहनने वाले से लेकर हवाई जहाज में चलने वालों तक के लिए संविधान में वोट का अधिकार बराबर रखा। साथ ही सत्ता में भागीदारी के लिए भी दलितों के लिए सुरक्षित सीट की व्यवस्था कायम की। उनका मानना था कि जब राजनीति से हर चीज तय होती है तो आपको भी आने वाले समय में अपनी राजनीति तय करनी पड़ेगी। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में बाबा साहब की प्रासंगिकता एक उज्ज्वल दीपक की भांति चमक रही है, जहाँ दलित वोट बैंक की होड़ में सभी दल उनके नाम को तिरस्कार नहीं कर पा रहे। अप्रैल में, जब उत्तर प्रदेश चुनावी बिगुल बजने को तैयार है, अंबेडकर जयंती राजनीतिक दलों के लिए सामरिक महत्व की घटना बन चुकी है। चुनौती पहले भी थी और आगे भी रहेगी, जब तक आरक्षण और असमानता की खाई को ईमानदारी के साथ पाटा नहीं गया। बाबा साहेब के दौर में भी उनके समकालिक नेता नेहरू, पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जयप्रकाश नारायण ने जब मजाक में कहा कि बाबा साहेब आपकी डिबरी रातभर जलती है और आप रातभर डिबरी के सामने बैठे रहते हो। कब सोते हो। तब बाबा साहेब ने कहा कि आप का समाज जाग रहा है इसलिए आप सो रहे हो। मेरा समाज सोया है इसलिए मुझे रातभर जागकर संविधान में उनके लिए क्या किया जा सकता है? सोचता हूं। आज हम बाबा साहेब के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके सिर्फ कोटेशन का पालन करने की अपील सभी वर्गों से कर रहे हैं। मेरा मानना है कि ... कुछ बात है कि हस्ती उनकी मिटती नहीं। बाबा साहेब के विचार अपने ही देश में नहीं विदेशों में भी लोग अपना रहे हैं। कैंब्रिज, लंदन, अमेरिका में उनकी बूत लगी हुई है।

बाबा साहब का ऐतिहासिक योगदान

डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर, जिन्हें बाबा साहब के नाम से जाना जाता है, भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार थे, जिन्होंने अस्पृश्यता के विरुद्ध जीवनभर संघर्ष किया। उनके विचार सामाजिक न्याय, समता और बंधुत्व के स्तंभ हैं, जो आज भी भारतीय लोकतंत्र की आत्मा बने हुए हैं। महू में 14 अप्रैल 1891 को जन्मे इस महान पुरुष ने दलितों,

महिलाओं और वंचितों के अधिकारों की रक्षा हेतु संविधान में अनेक प्रावधान कराए। उनका जीवन अन्याय के विरुद्ध विद्रोह का प्रतीक है। जातिवाद की जंजीरों को तोड़ते हुए उन्होंने शिक्षा को मुक्ति का साधन बनाया। आज जब विश्व नवीन चुनौतियों से जूझ रहा है, बाबा साहब का संदेश एक उपदेश की भांति गूंजता है झ ₹जीवन लंबा होने की बजाय महान होना चाहिए।

समसामयिक परिवेश में बाबा साहब का महत्व

2026 का भारत वैश्विक उथल-पुथल से गुजर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से भारत के निर्यात पर दबाव पड़ रहा है, टैरिफ बढ़कर 25% से 50% हो गए हैं, जिससे आर्थिक असमानता गहरा रही है। ऐसे में बाबा साहब के सामाजिक न्याय के सिद्धांत आर्थिक समावेशिता का आधार बनते हैं। मध्य प्रदेश में 8 से 14 अप्रैल तक उनके विचारों पर आधारित कार्यक्रम हो रहे हैं, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने हेतु।

ट्रंप की 'लिबरेशन डे' नीति ने भारत-अमेरिका व्यापार को प्रभावित किया है, जहाँ वरअक्क्रपरियोजनाएँ अनिश्चित हैं। बाबा साहब का कोटझ ₹समानता एक कल्पना हो सकती है, लेकिन इसे गवर्निंग सिद्धांत रूप में स्वीकार करना होगा₹ झ आज वैश्विक व्यापार में समान अवसरों की मांग करता है। यह परिवेश बाबा साहब के लोकतांत्रिक चिंतन को पुनर्जीवित करता है।

वर्तमान राजनीति में उपयोगिता एवं विश्लेषण

सभी राजनीतिक दल बाबा साहब को याद कर रहे हैं क्योंकि दलित वोट बैंक (लगभग 23 % उत्तर प्रदेश में) चुनावी कुंजी है। भाजपा ने अंबेडकर मूर्ति विकास योजना मंजूर की, 2027 चुनाव हेतु दलित आउटरीच मजबूत करने को। बसपा लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन करेगी, मायावती और आकाश आनंद के नेतृत्व में।

समाजवादी पार्टी गांव-गांव जयंती मनाएगी, संविधान बचाओ अभियान चला रही है। कांग्रेस 75 जिलों में आयोजन करेगी। प्रोफेसर बद्री नारायण के अनुसार, हर दल को अंबेडकर की जरूरत है क्योंकि वे सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं। यह 'रणनीतिक स्मृति' है झ सम्मान कम, वोट अधिक। उत्तर प्रदेश में जाटव (बसपा कोर) ५२ गैर-जाटव (भाजपा लक्ष्य) की होड़ में अंबेडकर नाम हथियार बन गया।

ट्रंप युग में भारत की विदेश नीति मजबूत हो रही है, लेकिन आंतरिक असमानता बाबा साहब के ₹राजनीतिक लोकतंत्र के साथ सामाजिक लोकतंत्र आवश्यक₹ संदेश की याद दिलाती है।

महत्वपूर्ण कोटेशनों का वर्णन एवं प्रासंगिकता

बाबा साहब के कोट साहित्यिक रत्न हैं। ₹मैं ऐसे धर्म को मानता हूं, जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाए। झ आज धार्मिक ध्रुवीकरण के दौर में यह एकता का आह्वान है। भाग्य में विश्वास रखने के बजाय अपनी शक्ति और कर्म में विश्वास रखना चाहिए। ट्रंप टैरिफ के विरुद्ध भारत के निर्यातक कर्मठता से प्रेरित हो सकते हैं। जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता नहीं हासिल कर लेते, कानून आपको जो भी स्वतंत्रता देता है, वो आपके किसी काम की नहीं। दलित आरक्षण बहस में प्रासंगिक। यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते हैं तो सभी धर्मों के शास्त्रों की संप्रभुता का अंत होना चाहिए। सांप्रदायिक सद्भाव हेतु। जीवन लंबा होने की बजाय महान होना चाहिए। नेताओं को निस्वार्थ सेवा सिखाता है। ये कोट आज अलंकारिक भाषा में कहें तो 'समुद्र की गहराई' समान हैं, जो राजनीतिक तूफानों में दिशा दिखाते हैं।

सटीक टिप्पणी एवं उदाहरण

राजनीतिक दलों की अंबेडकर-भक्ति वोट-केंद्रित है। उदाहरणस्वरूप, भाजपा की मूर्ति योजना गैर-जाटव दलितों को लुभाने की चाल है, जबकि बसपा का लखनऊ आयोजन जाटव एकजुटता का। सपा का गांव-स्तरीय अभियान पिछड़े वोट जोड़ता है। ट्रंप की नीतियों से प्रभावित किसानों/मजदूरों के संदर्भ में बाबा साहब का ₹इतिहास बताता है कि जहां नैतिकता और अर्थशास्त्र के बीच संघर्ष होता है, वहां जीत हमेशा अर्थशास्त्र की होती है चेतावनी देता है। यह स्मृति सकारात्मक है यदि विचारों पर अमल हो, अन्यथा छल मात्र। बाबा साहब कहते हैं, बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए₹ झ दलों को बौद्धिक ईमानदारी अपनानी चाहिए। कहने का आशय यह है कि बाबा साहब का संदेश सूर्य की किरणों सा अटल है। 14 अप्रैल 2026 को जयंती मात्र नहीं, सामाजिक क्रांति का संकल्प हो। सभी दलों को उनके कोट अपनाने होंगे हम सबसे पहले और अंत में भी भारतीय हैं। तब ही ट्रंप-युगीन चुनौतियों में भारत समृद्ध होगा।

डॉ. सुनील कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग,
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।

जनप्रतिनिधियों की पेंशन पर सवाल

-प्रियंका सौरभ

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहाँ जनता सर्वोच्च मानी जाती है और जनप्रतिनिधि जनता के सेवक के रूप में कार्य करते हैं। परंतु समय-समय पर कुछ ऐसे मुद्दे सामने आते हैं, जो इस मूल भावना पर प्रश्नचिह्न खड़े कर देते हैं। पूर्व सांसदों की पेंशन और सुविधाओं को लेकर उठी हालिया बहस भी इसी श्रेणी में आती है। जब सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार से यह सवाल किया कि पूर्व सांसदों को दी जाने वाली पेंशन और सुविधाओं का औचित्य क्या है, तो इसने देशभर में एक नई चर्चा को जन्म दिया। यह प्रश्न केवल एक प्रशासनिक या कानूनी मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा हुआ विषय है। आखिर क्यों एक वर्ग को विशेषाधिकार प्राप्त हों, जबकि अन्य वर्गों को कड़े नियमों और सीमाओं में बांध दिया जाए? यह सवाल आम नागरिक के मन में स्वाभाविक रूप से उठता है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता द्वारा चुने जाते हैं ताकि वे उनके हितों की रक्षा कर सकें और समाज के विकास के लिए काम करें। यह एक जिम्मेदारी है, कोई स्थायी लाभ प्राप्त करने का माध्यम नहीं। परंतु जब जनप्रतिनिधियों को आजीवन पेंशन, कई प्रकार की सुविधाएँ और विशेष अधिकार दिए जाते हैं, तो यह प्रश्न उठता है कि क्या यह व्यवस्था सेवा की भावना को बढ़ावा देती है या इसे एक विशेषाधिकार में बदल देती है। एक सामान्य सरकारी कर्मचारी को पेंशन पाने के लिए वर्षों तक सेवा करनी पड़ती है। कई बार 20 से 30 वर्षों की नौकरी के बाद ही वह इस सुविधा का हकदार बनता है। इसके विपरीत, सांसद बनने के लिए केवल एक कार्यकाल–जो कि पाँच वर्षों का होता है–भी पर्याप्त है। यह असमानता न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है।

भारतीय संविधान समानता के सिद्धांत पर आधारित है। हर नागरिक को समान अवसर और समान अधिकार मिलना चाहिए। लेकिन जब एक विशेष वर्ग को अतिरिक्त लाभ दिए जाते हैं, तो यह सिद्धांत कमजोर पड़ता दिखाई देता है। पूर्व सांसदों की पेंशन का मुद्दा इसी असमानता का प्रतीक बन गया है। जब देश का एक बड़ा वर्ग आर्थिक संघर्ष से जूझ रहा हो, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं से परेशान हो, तब ऐसे विशेषाधिकार जनता के बीच असंतोष पैदा करते हैं। यह असंतोष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक भी होता है।

यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि इन पेंशनों और सुविधाओं का खर्च अंततः जनता के करों से ही पूरा होता है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या यह संसाधनों का सही उपयोग है? क्या यह धन शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में निवेश नहीं किया जाना चाहिए? हालांकि यह तर्क दिया जा सकता है कि कुल बजट में यह खर्च बहुत अधिक नहीं है, लेकिन मुद्दा केवल राशि का नहीं, बल्कि सिद्धांत का है। यदि एक व्यवस्था असमानता को बढ़ावा देती है, तो उसे केवल इसलिए सही नहीं ठहराया जा सकता कि उसका आर्थिक प्रभाव सीमित है। इस विषय पर एक पक्ष यह भी है कि जनप्रतिनिधियों को कार्यकाल के बाद कुछ सुविधाएँ मिलनी चाहिए। उनका तर्क है कि सांसद बनने के बाद व्यक्ति को अपने पेशे, व्यवसाय या नौकरी से दूरी बनानी पड़ती है। ऐसे में कार्यकाल समाप्त होने के बाद उनके पास स्थायी आय का स्रोत नहीं होता। इसके अलावा, यह भी कहा जाता है कि यदि जनप्रतिनिधियों को आर्थिक सुरक्षा नहीं दी जाएगी, तो वे स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्णय लेने में सक्षम नहीं रहेंगे। वे बाहरी प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं, जिससे लोकतंत्र की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यह तर्क अपनी जगह पर उचित प्रतीत होते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वर्तमान व्यवस्था संतुलित है, या यह सुविधा आवश्यकता से आगे बढ़कर विशेषाधिकार का रूप ले चुकी है। इस पूरे मुद्दे का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इन सुविधाओं को निर्धारित करने की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है। क्या इन निर्णयों में जनता की राय ली जाती है? क्या विशेषज्ञों और आर्थिक विश्लेषकों की सलाह को महत्व दिया जाता है? अक्सर देखा गया है कि जनप्रतिनिधियों की सुविधाओं से जुड़े निर्णय उन्हीं के द्वारा लिए जाते हैं। यह स्थिति हितों के टकराव को जन्म देती है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि इन विषयों पर स्वतंत्र और निष्पक्ष संस्थाओं की भूमिका बढ़ाई जाए।

यदि हम अन्य लोकतांत्रिक देशों की ओर देखें, तो वहाँ भी जनप्रतिनिधियों को कुछ सुविधाएँ दी जाती हैं, लेकिन अधिकांश स्थानों पर इनके लिए सख्त नियम और शर्तें होती हैं। कई देशों में न्यूनतम सेवा अवधि, आयु सीमा और अन्य मानदंड तय किए गए हैं। भारत में भी ऐसी व्यवस्था लागू की जा सकती है, जिससे संतुलन बना रहे और समानता के सिद्धांत को मजबूती मिले। पेंशन को सेवा अवधि के आधार पर निर्धारित करना, इसे सीमित समय के लिए देना, या अन्य सरकारी पेंशन व्यवस्थाओं के साथ संतुलन स्थापित करना जैसे उपाय इस दिशा में कारगर हो सकते हैं।

किसी भी लोकतंत्र में जनता की जागरूकता और भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि नागरिक इन मुद्दों पर सजग रहेंगे और अपनी आवाज उठाएंगे, तभी सकारात्मक परिवर्तन संभव होगा। आज सोशल मीडिया और अन्य मंचों के माध्यम से इस विषय पर चर्चा बढ़ी है, जो एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि लोग अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार बनना चाहते हैं। अंततः, पूर्व सांसदों की पेंशन और सुविधाओं को लेकर उठी यह बहस केवल एक नीति का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा हुआ विषय है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में समानता और न्याय के सिद्धांतों का पालन कर रहे हैं। सरकार और नीति निमार्ताओं को चाहिए कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लें और एक ऐसी व्यवस्था विकसित करें, जो न केवल तर्कसंगत हो, बल्कि न्यायसंगत भी हो। जनप्रतिनिधियों को सम्मान और सुरक्षा मिलनी चाहिए, लेकिन यह व्यवस्था इस तरह की होनी चाहिए कि वह विशेषाधिकार का रूप न ले। एक मजबूत लोकतंत्र वही होता है, जहाँ जनता का विश्वास सर्वोपरि होता है, और इस विश्वास को बनाए रखने के लिए नीतियों में पारदर्शिता, समानता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

मुजफ्फरनगर-दादरी रैली से योगी-अखिलेश साधेंगे वेस्ट यूपी

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब साल भर से कम समय बचा है। चुनाव की आहट ने नेताओं के चेहरों पर बेसब्री और भाषा में तीखापन दिखने लगा है। दादरी में सपा की रैली हो चुकी है और अब बीजेपी 13 को रैली करने जा रही है। मुजफ्फरनगर और दादरी दोनों जगह 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सीधी जीत दर्ज की, लेकिन समाजवादी पार्टी भी आगे की लड़ाई जीतने का दावा कर रही है। मुजफ्फरनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के कपिल देव अग्रवाल ने 49.6 फीसदी वोट के साथ रालोद के सौरभ से लगभग 18 हजार वोटों के अंतर से जीत दर्ज की, जबकि सपा इस चुनाव में तीसरे स्थान पर थी। इसके बावजूद 2024 लोकसभा चुनाव में सपा ने मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट पर करीब 25 हजार वोट से भाजपा को हरा दिया, जो दिखाता है कि क्षेत्र में जाट-किसान वोट भाजपा से थोड़ा फिसलकर सपा की ओर बढ़ रहा है।

दादरी विधानसभा क्षेत्र में 2022 में भाजपा के तेजपाल सिंह नगर ने सपा के राज कुमार को 1.38 लाख वोट के विशाल अंतर से हरा दिया, जो यहां भाजपा की मजबूत स्थिति को दशार्ता है। हालांकि अखिलेश यादव की हालिया जनसभा और गुर्जर-दलित एकता के नारे यहां सपा के प्रयास को दशार्ते हैं कि वह गुर्जर वोट को भाजपा से अलग करने की कोशिश कर रही है। इसके बावजूद दादरी में भाजपा की मजबूत जड़ें और बड़ा जीत का अंतर दिखाता है कि यहां पार्टी की राजनैतिक स्थिति अभी आक्रामक और अधिक दृढ़ बनी हुई है, जबकि सपा जनसभाओं और आंदोलन के जरिये मतदान समीकरण बदलने की कोशिश में है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान, जाट और दलित बहुल 18 जिलों में 2022 विधानसभा चुनावों ने राजनीतिक समीकरणों को नया मोड़ दिया था। यहां समाजवादी पार्टी ने अप्रत्याशित उछाल के साथ सबसे अधिक सीटें हासिल कीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी को भारी नुकसान झेलना पड़ा। दादरी में अखिलेश यादव की हालिया जनसभा और मुजफ्फरनगर में 13 अप्रैल को होने वाली भाजपा की बड़ी रैली इसी क्षेत्रीय गोलबंदी का हिस्सा बन रही है। मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, हापुड़, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा और कासगंज जैसे इन जिलों में कुल 84 विधानसभा सीटें हैं। 2022 में सपा ने 35 सीटें जीतीं, जो 2017 के मुकाबले करीब दोगुनी हैं। भाजपा को मात्र 22 सीटें मिलीं, जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल को सात और अपना दल को तीन सीटें हाथ लगीं। बहुजन समाज पार्टी चार सीटों तक सिमट गई। जाट बहुल जिलों जैसे मुजफ्फरनगर में सपा ने छह में से चार सीटें जीत लीं, जबकि भाजपा को महज एक मिली। बागपत में भी सपा ने तीन सीटें हथिया लीं। किसान आंदोलन का असर साफ दिखा, जहां जाट वोट सपा की ओर खिसके। दलित बाहुल्य क्षेत्रों में भी सपा ने 10 से अधिक सीटें ले लीं, खासकर मेरठ और बुलंदशहर में। भाजपा को गौतमबुद्धनगर और आगरा जैसे शहरी इलाकों में कुछ राहत मिली, लेकिन ग्रामीण इलाकों में हार का सामना करना पड़ा। यह प्रदर्शन पश्चिमी यूपी को सपा का गढ़ बनाने का संकेत देता है। भाजपा अब मुजफ्फरनगर रैली से जाट, किसान और दलित वोटों को फिर से एकजुट करने की कोशिश कर रही है। 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले यह गोलबंदी निर्णायक साबित हो सकती है।

प्रताप सरनाईक एक्शन मोड' में, काशीगांव मेट्रो स्टेशन पर यातायात जाम और पार्किंग की समस्या को लेकर एमएमआरडीए को 2 महीने का अल्टीमेटम दिया

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर की कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली मेट्रो 9 को भले ही गति मिल रही हो, लेकिन राज्य परिवहन मंत्री और धारशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक ने काशीगांव मेट्रो स्टेशन के बाहर यातायात जाम और पार्किंग की गंभीर समस्याओं पर आक्रामक रुख अपनाया है। आज काशीगांव मेट्रो स्टेशन क्षेत्र के भौतिक निरीक्षण दौरे के दौरान, उन्होंने एमएमआरडीए और नगर प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी कि यात्रियों की सभी समस्याओं का समाधान अगले दो महीनों में किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान पता चला कि तकनीकी दिक्कतों और कुछ भूस्वामियों द्वारा बाधा डालने के कारण चार प्रवेश-निकास बिंदुओं में से दो का काम अभी भी रुका हुआ है। इस पर नाराजगी जताते हुए मंत्री सरनाईक ने कहा कि जनता की सुविधा के लिए किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ओसवाल बिल्डर को चेतावनी, पार्किंग प्लाजा के लिए 7/11 कंपनी से अपील काशीगांव मेट्रो स्टेशन के पास ओसवाल बिल्डर की जमीन को लेकर चल रहे विवाद के कारण रुके हुए काम को तुरंत शुरू करने का आदेश जारी किया गया और काम में बाधा डालने वालों के

खिलाफ पुलिस कार्रवाई की चेतावनी भी जारी की गई। इसके अलावा, 7/11 कंपनी के स्वामित्व वाली भूमि के संबंध में एक बड़ा बयान देते हुए, मंत्री सरनाईक ने अपील की कि पूरी जमीन, न कि केवल 133 मीटर जमीन, एमएमआरडीए को हस्तांतरित की जानी चाहिए, ताकि वहां एक भव्य 'पार्किंग प्लाजा' का निर्माण किया जा सके। इस प्रस्ताव से लगभग 1,500 से 2,000 वाहनों के लिए पार्किंग सुविधा उपलब्ध हो सकती है, जिससे स्टेशन क्षेत्र में यातायात की भीड़भाड़ में काफी कमी आने की संभावना है। कार्य को 60 दिनों के भीतर पूरा करने का आदेश। अधिकारियों को अगले 60 दिनों के भीतर प्रवेश-निकास बिंदुओं और पार्किंग व्यवस्था को पूरा करने का निर्देश दिया गया था ताकि मेट्रो यात्री अपने वाहनों को पार्क कर सकें और आराम से यात्रा कर सकें।

मंत्री सरनाईक का स्पष्ट रुख मेट्रो लोगों की सुविधा के लिए है, असुविधा के लिए नहीं। काशीगांव स्टेशन के बाहर यात्रियों को होने वाली असुविधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अगले दो महीनों के भीतर सभी काम पूरा कर लें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, 7/11 कंपनी के मालिक को जनता के हित में अपना प्लॉट एमएमआरडीए को दे देना चाहिए। उन्हें रेडी रेकनर दर पर भुगतान लेकर शहर को भीड़भाड़ से मुक्त करने में सहयोग करना चाहिए।

नागरिक सुरक्षा दल द्वारा हवाई हमले की आपदा नियंत्रण का रोमांचक प्रदर्शन एवं ब्लैकआउट अभियान आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र शासन के गृह विभाग (विशेष) के अंतर्गत नागरिक सुरक्षा दल, जिला पालघर द्वारा बोईसर में गुरुवार 9 अप्रैल 2026 को हवाई हमले की आपदा नियंत्रण संबंधी मॉक ड्रिल तथा ब्लैकआउट अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। उक्त उपक्रम पालघर जिले के उपनियंत्रक काशीनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन में सायं 5 बजे बोईसर एस.टी. बस डिपो परिसर में उक्त मॉक ड्रिल आयोजित की गई। युद्ध जैसी परिस्थिति में यदि नागरिक बस्तियों पर हवाई हमला होता है, तो उत्पन्न होने वाली आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा दल के स्वयंसेवकों की प्रथम प्रतिसादक के रूप में भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है, इसका प्रभावी प्रदर्शन इस अवसर पर किया गया। इस मॉक ड्रिल में आकाश से बम गिरने की काल्पनिक स्थिति निर्मित कर जनवस्ती में विस्फोट, आग लगना, इमारत गिरना तथा मलबे में फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का रोमांचक प्रदर्शन किया गया। अग्निशमन दल के जवानों द्वारा आग पर नियंत्रण पाने तथा एनडीआरएफ टीम द्वारा इमारत एवं मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किया गया। साथ ही घायल नागरिकों को चिकित्सकों की सहायता से त्वरित ट्रायज कर अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया भी प्रदर्शित की गई। इस उपक्रम के माध्यम से नागरिकों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा आपात स्थिति में उचित और त्वरित प्रतिक्रिया देने के महत्व को रेखांकित किया गया। इसके पश्चात सायं 8 बजे खोदाराम बाग क्षेत्र की कुल 16 सोसायटियों में ह्लब्लैकआउटह्व अभियान का प्रदर्शन किया गया। युद्ध जैसी स्थिति में पूरे क्षेत्र में अंधेरा कर शत्रु को भ्रमित करने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बोईसर एस.टी. आगार प्रशासन, पुलिस विभाग, होमगार्ड, अग्निशमन दल, तारापुर, NCC, BARC सुरक्षा विभाग, TIMA, तारापुर महाराष्ट्र साइट, TATA Steel Global Wire India CSR Council तथा CISF सहित कुल 35 शासकीय एवं अर्धशासकीय संस्थाओं ने सहभाग लिया। उक्त मॉक ड्रिल नागरिक सुरक्षा दल के स्वयंसेवकों, मास्टर ट्रेनरों, उपमुख्य क्षेत्ररक्षकों, विभागीय क्षेत्ररक्षकों तथा कार्यालयीन अधिकारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

नगरसेविका द्वारा आशेलेपाड़ा में नाला सफाई का काम पूरा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। केडीएमसी क्षेत्र के आशेलेपाड़ा परिसर में शिवसेना शाखा से सेंट पॉल स्कूल तक के नाले की गहन सफाई का काम पूरा कर लिया गया है। चुनाव के दौरान नागरिकों से किया गया वादा समय पर पूरा कर दिया गया है। ऐसी जानकारी भाजपा नगरसेविका डॉ, पूजा गायकवाड़ ने दिया है। नाले की सफाई से इलाके में पानी भरने की समस्या कम होगी। नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। खासकर मानसून से पहले डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए यह सफाई बेहद अहम है। पूजा गायकवाड़ ने बताया कि नागरिकों को दिया गया हर आश्वासन पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। आशेलेपाड़ा का नाला सफाई इसका एक उदाहरण है। आगे भी प्रभाग में इसी तरह विकास कार्य और जनता के हित में काम करते रहेंगे। परिसर के रहवासियों ने काम पर संतोष जताया है और उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी इसी तरह समस्याओं का समाधान गायकवाड़ मैडम करती रहेंगी।

भिवंडी में 64 लाख का गुटखा दफन के बाद जेसीबी से खोदकर गुटका चोरी का प्रयास विफल; पुलिस-प्रशासन पर उठे सवाल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के चाविंद्रा डंपिंग ग्राउंड में नष्ट किया गया करीब 64 लाख रुपये का गुटखा दोबारा चोरी होने का मामला सामने आया है, जिससे पुलिस और अन्न व औषध प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, दो महीने पहले भिवंडी क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में गुटखा जब्त किया था। न्यायालय की अनुमति के बाद इसे अन्न व औषध प्रशासन की मौजूदगी में डंपिंग ग्राउंड पर गहरे गड्ढे में दफन कर नष्ट किया गया था। लेकिन इसके कुछ ही समय बाद गुटखा माफिया रात में जेसीबी की मदद से गड्ढा खोदकर गुटखा निकालने लगे और टेम्पो में भरकर ले जाने का प्रयास किया। स्थानीय नागरिकों ने इस पूरी घटना को पकड़ लिया और विरोध किया। पुलिस के आने की सूचना मिलते ही आरोपी टेम्पो छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही। नगरसेवक रोहिदास वाघमारे ने आरोप लगाया कि गुटखा पूरी तरह नष्ट करने के लिए उचित प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। वहीं, पूर्व नगरसेवक विकास निकम ने इस पूरे मामले में बड़े रैकेट और अधिकारियों की संभावित मिलीभगत की आशंका जताई है। फिलहाल इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि इस संबंध में कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है, जबकि अन्न व औषध विभाग के अधिकारी संपर्क में नहीं आ सके। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर जिम्मेदार कौन है और गुटखा माफिया पर कड़ी कार्रवाई कब होगी।

समर्या क्रिएशन ने लॉन्च किया औमोरा म्यूज़िक - सामेर अंजान के साथ भारत का सबसे अलग म्यूज़िक लेबल

मुंबई/पटना। भारत की क्रिएटर इकॉनमी ने आज संगीत जगत में सबसे विश्वसनीय कदम रखा। देश की पहली इंटीग्रेटेड क्रिएटर-फर्स्ट कंपनी समर्या क्रिएशन ने आज मुंबई के द क्लब, अंधेरी वेस्ट में औमोरा म्यूज़िक के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की - और इसके संस्थापक पार्टनर हैं गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डधारी गीतकार सामेर अंजान।यह महज एक म्यूज़िक लेबल नहीं है। यह उस सोच का जवाब है जो आज तक भारतीय संगीत में गायब थी - जहाँ एल्गोरिदम नहीं, कलाकार तय करेगा कि संगीत कैसा हो।चार दशकों में 640 से ज्यादा हिंदी फिल्मों के लिए 4,000 से अधिक गाने लिखने वाले सामेर अंजान यहाँ ब्रांड एंबेसेडर नहीं, बल्कि निमार्ता हैं। औमोरा म्यूज़िक पहले से ही 150+ प्लेटफॉर्म्स पर 19 ट्रैक्स के साथ लाइव है, 150+ ओरिजिनल कम्पोज़िशन रिलीज के लिए तैयार हैं।

अंबरनाथ: S-3 पार्क होटल में युवती ने की आत्महत्या, इलाके में सनसनी

चेतन निर्मल

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। अंबरनाथ के मशहूर S-3 पार्क होटल में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हॉटल के तीसरी मंजिल के एक कमरे में युवती का शव लटका हुआ मिला। मृतका की पहचान सिमरन पाटिल के रूप में हुई है। सिमरन अंबरनाथ के ग्लोब बिजनेस पार्क स्थित एक प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थी। सूचना मिलते ही अंबरनाथ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस होटल स्टाफ और मृतका के परिजनों से पूछताछ कर रही है। सिमरन होटल में कब और कैसे आई, कमरा किसने बुक किया था - इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मोबाइल और अन्य सामान भी जब्त कर जांच की जा रही है।

छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर अभियान में 1283 सेवाओं का वितरण

पालघर(उत्तरशक्ति)। नागरिकों को राजस्व विभाग से जुड़ी लंबित सेवाएं एक ही स्थान पर त्वरित रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर अभियान (चरण-1) के अंतर्गत बोईसर मंडल के डॉ. स. द. वर्तक विद्यालय, विद्यानगर (खैरेपाड़ा) में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगरे के हाथों किया गया। इस दौरान कुल 1,283 सेवाएं और प्रमाणपत्रों का वितरण किया गया, जिससे बड़ी संख्या में नागरिकों को राहत मिली। शिविर में सिंगल डे सर्विस डिलिवरी के तहत नागरिकों को 7/12 और 8अ उतारे, जमीन अभिलेखों का अद्यतन, घरकुल पट्टे वितरण, ई-मोजणी, पाणंद सड़क, फेरफार मामलों का निपटारा, तुकड़ेबंदी कानून की जानकारी, पीएम किसान

योजना सहित विभिन्न सामाजिक योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इसके अलावा आयुष्मान भारत कार्ड पंजीकरण, ई-केवाईसी, मतदाता पंजीकरण एवं नाम विलोपन तथा स्वास्थ्य जांच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। विशेष रूप से, बढ़वण बंदर (ग्रीनफील्ड महामार्ग) परियोजना के अंतर्गत शिगांव, गारगांव, राणिशिगांव, नेवाले और खुताड गांवों के भूमि अधिग्रहण मामलों के लिए अलग कक्ष स्थापित किया गया। इस कक्ष के माध्यम से भूमि अभिलेखों को अद्यतन कर मुआवजा वितरण प्रक्रिया को सरल बनाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही, जिन मामलों में मृत्यु पंजीकरण नहीं हुआ है, उनमें वारस दर्ज करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ग्रामसेवकों के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई। शिविर में पंचायत समिति, समाज कल्याण, पशुसंवर्धन, जिला उद्योग केंद्र और आदिवासी विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही नागरिकों को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए मार्गदर्शन, लक्ष्मीमुक्ति योजना तथा धारा 85 के तहत आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई। इस शिविर के माध्यम से प्रशासन ने नागरिकों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर उन्हें जल्द व पारदर्शी सेवा देने का सफल प्रयास किया।कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी (पुनर्वसन) तेजस चव्हाण, अपर तहसीलदार (अकृषिक) तुषार शिंदे, स्थानीय सरपंच, उपसरपंच, पूर्व सरपंच, बोईसर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, नागरिक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रिक्शा चालक की बेटी दिव्या पाटिल बनी मुंबई पुलिस, भिवंडी में किया गया भव्य स्वागत सम्मान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के भरोडी गांव की रहने वाली दिव्या प्रदीप पाटिल ने कड़ी मेहनत और लगन के दम पर मुंबई पुलिस दल में स्थान हासिल कर अपने परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। वह रिक्शा चालक प्रदीप पाटिल की बेटी हैं। दिव्या ने जिजाऊ अकैडमी, आनगांव से प्रशिक्षण लेकर अपना सपना पूरा किया। साथ ही उन्होंने भिवंडी के बी.एन.एन. कॉलेज से कला शाखा में शिक्षा भी पूरी की। उनकी इस उपलब्धि पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) और ओम

साई रिक्शा यूनियन, मानकोली-दापोडे की ओर से उनके घर जाकर शाल, पुष्पगुच्छ और गणेश मूर्ति देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुंदन पाटिल सहित कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में रिक्शा चालक व भिवंडी से प्रकाशित दैनिक स्वराज्य तोरण के संपादक डा. किशोर बलीराम पाटिल उपस्थित थे। दिव्या ने कहा कि यह सम्मान उनके माता-पिता और गांव का है तथा इस सफलता का श्रेय उन्होंने जिजाऊ अकैडमी के संस्थापक निलेश सांबरे को दिया।

जिला परिषद पालघर में सामाजिक समता सप्ताह का उत्साहपूर्ण आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर तथा सहायक आयुक्त समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक समता सप्ताह के अंतर्गत 10 मार्च को जिला परिषद के जननायक बिरसा मुंडा सभागार में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने मार्गदर्शन में डॉ. प्रकाश हसनालकर ने भारतीय संविधान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुता की गारंटी देता है तथा सामाजिक समता की मजबूत नींव रखता है। उन्होंने यह भी बताया कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का ऐतिहासिक कार्य किया, इसलिए संविधान के मूल्यों का पालन करना हर नागरिक का कर्तव्य है। इसके अलावा सोनाली मातेकर, अशोक पाटील और व्यंकटराव हुंडेकर ने अपने विचार रखते हुए सामाजिक समता सप्ताह के महत्व को रेखांकित किया और समाज में समता, बंधुता एवं सामाजिक न्याय के मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन भी किया गया। बताया गया कि 8 से 14 अप्रैल के बीच सामाजिक समता सप्ताह के अंतर्गत जिलेभर में विभिन्न जनजागरूकता एवं प्रबोधनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। इनमें संविधान जागर अभियान, जनजागृति शिविर, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, ऑनलाइन वैलिडिटी प्रमाणपत्र वितरण, स्कूल एवं कॉलेजों में व्याख्यान, निबंध एवं वक्तृत्व प्रतियोगिताएं, पथनाट्य एवं लघुनाटिका प्रस्तुतियां शामिल हैं। साथ ही संत गाडगे महाराज जयंती के अवसर पर भी विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जायेंगे। इस सप्ताह के माध्यम से जिलेभर में सामाजिक समता का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित करने का लक्ष्य रखा गया है।कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण सहायक आयुक्त पांडुरंग वाबले, जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) व्यंकटराव हुंडेकर, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (मनरेगा) अतुल पारसकर, शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर तथा शिक्षणाधिकारी (माध्यमिक) अशोक पाटील सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कोलसेवाड़ी पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, 10 बाइक बरामद

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कोलसेवाड़ी पुलिस ने वाहन चोरी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने कुल 10 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपी ने 8 चोरी की वारदातें कबूल की हैं.

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में एक शातिर वाहन चोर सक्रिय है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हेमंत गुरव के मार्गदर्शन में और पुलिस निरीक्षक (अपराध) गणेश न्हायदे के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी।

3 अप्रैल को विठ्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन के सामने पुलिस को दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए, जिन पर पुलिसकर्मी सुरेंद्र इंगले की नजर पड़ी। इसी दौरान बाइक चोरी की घटना को अंजाम देकर भागने की कोशिश कर रहे आरोपियों को पुलिस टीम ने मौके पर ही दबोच लिया। इस दौरान एक नाबालिग आरोपी भी शामिल था।

गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी की पहचान शुभम उर्फ शिवम संपत पठारे (24), निवासी उल्हासनगर के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी की निशानदेही पर 10 दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं।

मीरा रोड के ऑर्किड ऑर्केस्ट्रा बार पर पुलिस का छापा 16 लड़कियों का रेस्क्यू, 3 नाबालिग 13 कर्मचारी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड (पूर्व) स्थित शांति शॉपिंग सेंटर के पास रेलवे स्टेशन के नजदीक चल रहे ऑर्किड ऑर्केस्ट्रा बार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित अवैध गतिविधियों का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान कुल 16 लड़कियों को रेस्क्यू किया गया, जिनमें 3 नाबालिग भी शामिल हैं। यह कार्रवाई मीरा भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत जोन-1 के डीसीपी राहुल चौहान (क्ढर) के मार्गदर्शन में की गई। छिपे हुए कमरों से मिला सच पुलिस सूत्रों के अनुसार, बार के अंदर बनाए गए गुप्त तहखाने कमरों (कैविटी) को तोड़कर 9 लड़कियों को बाहर निकाला गया, जबकि 7 लड़कियों को स्टेज से रेस्क्यू किया गया। इस प्रकार कुल 16 पीड़ितों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू की गई लड़कियों में 16 से 17 वर्ष की उम्र की 3 नाबालिग पाई गईं, जिससे

मामला और गंभीर हो गया है। 13 कर्मचारी गिरफ्तार, मालिक फरार, पुलिस ने इस मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए: 2 मैनेजर 1 कैशियर 10 वेटर समेत कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, बार के संचालक और मालिक फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। इठर और ढडउरड के तहत मामला दर्ज किया गया। इस पूरे प्रकरण में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (इठर) और ढडउरड एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। कार्रवाई नवघर नयानगर पुलिस स्टेशन की टीम द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में की गई। अवैध गतिविधियों पर पुलिस का सख्त रुख पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में चल रही अवैध गतिविधियों, विशेषकर मानव तस्करी और अवैध बार संचालन के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। यह घटना एक बार फिर शहर में चल रहे अवैध नेटवर्क की गंभीरता को उजागर करती है, जिस पर प्रशासन की कड़ी नजर बनी हुई है।

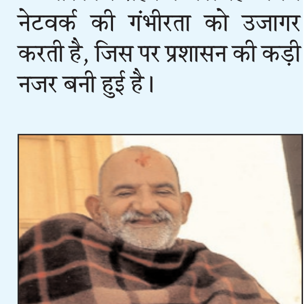

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सामाजिक न्याय आज देश की सबसे बड़ी आवश्यकताः मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर में आयोजित बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं मौलाना अबुल कलाम आजाद विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने सामाजिक न्याय को देश की वर्तमान जरूरत बताते हुए व्यापक विचार रखे। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त असमानताओं को समाप्त किए बिना देश का समग्र विकास संभव नहीं है। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव द्वारा चलाया जा रहा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पूरे देश में जागरूकता पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद के सपनों का भारत बनाने के लिए यह आंदोलन अत्यंत आवश्यक है।

अरशद खान ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का इतिहास केवल राजाओं और साम्राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संरचनाओं के निर्माण और बदलाव का इतिहास भी है। उन्होंने बताया कि प्राचीन भारत में समाज अपेक्षाकृत समतामूलक था, जहां व्यक्ति को अपने कर्म और योग्यता के आधार पर आगे बढ़ने की स्वतंत्रता थी।

उन्होंने कहा कि समय के साथ वर्ण व्यवस्था जन्म आधारित हो गई, जिससे समाज में गहरी असमानता उत्पन्न हुई। इसके चलते शूद्रों और अन्य पिछड़े वर्गों के जनबल, बुद्धिबल, धनबल, बाहुबल और मनोबल को व्यवस्थित तरीके से कमजोर किया गया। शिक्षा, आर्थिक संसाधनों और सामाजिक सम्मान से उन्हें वंचित रखा गया।

अरशद खान ने कहा कि जाति व्यवस्था ने सदियों तक दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों का शोषण किया है, जिसके प्रभाव आज भी समाज में दिखाई देते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सामाजिक न्याय केवल समान अवसर देना नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक अन्यायों को सुधारना भी है।

उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी का मूल उद्देश्य ही सामाजिक न्याय स्थापित करना है। पार्टी शिक्षा, रोजगार, आर्थिक संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अंत में उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश की आवश्यकता है। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान और बराबरी का अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। उन्होंने सभी से जाति, धर्म और भेदभाव से ऊपर उठकर एक समतामूलक समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की।

कीर्ति कुंज ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के नए शोरूम (ई आउटलेट) शाहगंज का हुआ उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कीर्ति कुंज ऑटोमोबाइल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित नए ई-आउटलेट (एरीना शोरूम) शाहगंज का शुभ उद्घाटन आज दिनांक 10 अप्रैल 2026, दिन शुक्रवार को बैंक ऑफ बड़ौदा के डीजीएम गंगा सिंह जी द्वारा दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर विधिवत संपन्न हुआ।

इस अवसर पर कंपनी के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर नन्हें लाल वर्मा, उनकी पत्नी मैनेजिंग डायरेक्टर लालती देवी , मैनेजिंग डायरेक्टर प्रियम वर्मा तथा श्री सन्नी वर्मा सहित कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम में नगर पालिका शाहगंज के वर्तमान चेयरमैन श्रीमती रचना सिंह के प्रतिनिधि श्री वीरेंद्र सिंह व पूर्व चेयरमैन श्री प्रदीप जायसवाल जी सपरिवार सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर कंपनी के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर नन्हें लाल वर्मा जी ने अपने संबोधन में बताया कि कंपनी की शुरूआत नवंबर 2009 में जौनपुर स्थित कीर्ति कुंज के मुख्य आउटलेट से हुई थी, जहाँ से एरीना चैनल के माध्यम से व्यवसाय का संचालन प्रारंभ किया गया। इसके उपरांत वर्ष 2010 में सुल्तानपुर में आर-आउटलेट की स्थापना की गई, जो समय के साथ ग्राहकों के विश्वास और बढ़ते विस्तार के कारण मुख्य आउटलेट के रूप में विकसित हो गया। कीर्ति कुंज अपने विस्तार को नई ऊंचाइयों तक ले जाते हुए वर्ष 2020 में नेक्सा शोरूम की भी सफलतापूर्वक शुरूआत की, जिससे प्रीमियम सेगमेंट में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसी क्रम में वर्ष 2025 में मछलीशहर में एक और आर-आउटलेट की स्थापना की गई, श्री वर्मा ने गर्व के साथ कहा कि आज इसी निरंतर प्रगति के क्रम में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है- शाहगंज में नए ई-आउटलेट का शुभारंभ, विधिवत संपन्न हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि कीर्ति कुंज ग्रुप अपने सभी आउटलेट्स के साथ जौनपुर एवं सुल्तानपुर में ग्राहकों की पहली पसंद बन चुका है और बेहतर सेवाओं व ग्राहक संतुष्टि के बल पर पूरे पूर्वांचल क्षेत्र में एक अग्रणी ऑटोमोबाइल समूह के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

इस अवसर पर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रियम वर्मा जी ने बताया कि कीर्ति कुंज ऑटोमोबाइल्स में ग्राहकों के लिए मारुति की सभी प्रमुख गाड़ियां शोरूम में उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ ग्राहकों को प्रमुख मॉडलों की विस्तृत रेंज देखने को मिलेगी तथा इच्छुक ग्राहकों के लिए टेस्ट ड्राइव (डेमो व्हीकल) की भी समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे वे अपनी पसंद के वाहन का अनुभव आसानी से प्राप्त कर सकें। उन्होंने आगे बताया ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सर्विस सेक्शन को भी अत्याधुनिक बनाया गया है, जिसमें पाँच सर्विस बे (Service Bays) की सुविधा उपलब्ध है। यहाँ पर उन्नत तकनीक से युक्त आधुनिक पेंट बूथ की व्यवस्था की गई है, जो वाहनों की पेंटिंग, तेज एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करता है। वाहन सर्विसिंग, क्लीनिंग, पेंटिंग तथा इंश्योरेंस क्लेम–के लिए अत्याधुनिक कंप्यूटराइज्ड सिस्टम लागू किया गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से क्लेम प्रोसेसिंग को तेज, पारदर्शी और सरल बनाया गया है, जिससे ग्राहकों को कम समय में बेहतर सेवा प्राप्त हो सके। साथ ही, शोरूम पर ग्राहकों के लिए एक्सचेंज सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके अंतर्गत ग्राहक अपने पुराने वाहन को एक्सचेंज कर आसानी से नई कार खरीद सकते हैं।

जनरल मैनेजर सेल्स मिस्टर अफजल सिद्दीकी जी ने बताया कि आज इस शोरूम के उद्घाटन समारोह में और 20 से अधिक गाड़ियों की बुकिंग की गई। और 10 नई कारों की डिलिवरी की गई, जिसमें कीर्ति कुंज शोरूम शाहगंज ब्रांच से पहली गाड़ी श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी अवनीश सिंह जी को डिजायर डिलीवर की गई।

इस अवसर पर जीएम सर्विस पियुष यादव, जीएम एकाउंटेंट सुमित जी, मैनेजर सेल्स अनुप श्रीवास्तव, शोरूम मैनेजर रामकांत यादव, विष्णु गुप्ता, कस्टमर केयर मैनेजर अश्विनी सिंह, टीम लीडर उमाकांत यादव, मनोज सिंह, इमाम हैदर, दीपक पांडेय और सभी सेल्स और सर्विस टीम मौजूद थी।

नवोदय विद्यालय परीक्षा में प्राथमिक विद्यालय सुतौली के दो बच्चों ने रचा इतिहास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के लिए सबसे कठिन परीक्षा कही जाने वाली नवोदय विद्यालय परीक्षा में

प्राथमिक विद्यालय सुतौली के दो बच्चों ने अपनी अपनी कैटेगरी में पूरे जनपद में प्रथम रैंक प्राप्त कर नाम रोशन किया है।

विद्यालय के सक्षम दुबे पुत्र सुशील दुबे ने सामान्य केटेगरी में तथा काव्या राव पुत्री प्रदीप राव ने एससी कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आज विद्यालय प्रांगण में चयनित विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया। विद्यालय परिवार की तरफ से दोनों बच्चों को पुरस्कार के रूप में साइकिल देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान एड.अमरनाथ ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्राथमिक शिक्षक संघ के मांडलिक संगठन मंत्री व जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ल, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे तथा सम्मानित अतिथि के रूप में तहसील प्रभारी अनिल कुमार पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राम सिंह, ब्लॉक महामंत्री ओम प्रकाश गुप्ता, संघर्ष समिति के ब्लॉक अध्यक्ष विजेंद्र शर्मा, एआरपी अभिषेक तिवारी, दिनेश यादव, अरविंद मौर्य, राकेश कुमार पाल, प्रधानाध्यापक राजीव पांडे, उमेश कुमार चतुर्वेदी, आनंद तिवारी ,अशोक पांडे, श्याम लाल यादव, बजरंग बहादुर गुप्ता, विजय यादव, अरुण पाठक, संदीप यादव, विजय मौर्य, प्रदीप समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राज भारत मिश्र ने किया तथा आभार विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिवाकर दुबे ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रधान अवधेश तिवारी, दयाशंकर तिवारी, कोमल कोटेदार, जगदंबा प्रसाद पांडे, राम लवट के अलावा विद्यालय परिवार की तरफ से योगेश भारती, दुर्गेश पांडे, प्रवेश वर्मा, शकुंतला देवी, रागिनी मिश्रा उपस्थित रहे।

सनबीम स्कूल, जौनपुर में 'प्रोत्साहन' पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सनबीम स्कूल, जौनपुर में 'प्रोत्साहन' नामक वार्षिक पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही प्रत्येक

विषय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी मंच पर सम्मान मिला। इस अवसर पर जेईई मेन्स परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 11 विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मयंक सिंह (99.802 परसेंटाइल, जिला टॉपर), दिव्यांश सिंह (98.742 परसेंटाइल) एवं आयुष सिंह (95.00 परसेंटाइल) सहित अन्य छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की गई। मुख्य अतिथि डॉ. हरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. शुभा सिंह एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका सिंह भी उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जहां विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने इस आयोजन की सराहना की। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

इस्लामाबाद वार्ता विश्व शांति के लिए निर्णायकः मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इस्लामाबाद में प्रस्तावित अमेरिका और ईरान के शीर्ष नेतृत्व के बीच शांति वार्ता को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने इसे वैश्विक स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण पहल बताया है। उन्होंने कहा कि यह वार्ता केवल दो देशों के बीच संवाद नहीं, बल्कि विश्व शांति, आर्थिक स्थिरता और संभावित बड़े संघर्ष को टालने का अहम अवसर है।

अरशद खान ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच यह वार्ता यदि सफल होती है, तो इससे पूरी दुनिया में सकारात्मक संदेश जाएगा और लंबे समय से चल रहे तनाव में कमी आएगी। उन्होंने इस पहल की सफलता के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

उन्होंने कहा कि इस वार्ता का असर भारत सहित कई देशों पर पड़ेगा। भारत की ऊर्जा आवश्यकताएं मध्य-पूर्व पर निर्भर हैं, ऐसे में क्षेत्र में शांति स्थापित होने से तेल की कीमतों में स्थिरता आएगी और भारतीय अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी।

अरशद खान के अनुसार, वार्ता सफल होने पर ईरान को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से राहत

मिलने की संभावना है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और वैश्विक निवेश बढ़ेगा। वहीं अमेरिका के लिए यह उसकी कूटनीतिक क्षमता की बड़ी परीक्षा है, जिससे वह वैश्विक नेतृत्व की भूमिका को और मजबूत कर सकता है। उन्होंने कहा कि मध्य-पूर्व के अरब देशों के लिए भी यह वार्ता विकास और स्थिरता का रास्ता खोल सकती है, जिससे व्यापार, निवेश और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी स्थिरता आने की उम्मीद है।

हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वार्ता असफल होती है, तो क्षेत्रीय संघर्ष बढ़ सकता है, तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है और वैश्विक आर्थिक मंदी के साथ बड़े सैन्य टकराव का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है।

अरशद खान ने विश्व समुदाय से अपील की कि संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए, सैन्य टकराव से बचा जाए और सभी पक्ष अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करते हुए स्थायी शांति समझौते की दिशा में आगे बढ़ें।

निष्कर्षतः उन्होंने कहा कि यह वार्ता केवल एक कूटनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य से जुड़ा हुआ विषय है। इसकी सफलता से विश्व में शांति, सहयोग और स्थिरता का नया अध्याय शुरू हो सकता है।

राष्ट्र और समाज कल्याण का संकल्प लेकर जन प्रकृति सेवा ट्रस्ट में शामिल हुए संत

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। धर्म, समाज सेवा एवं राष्ट्रहित के कार्यों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से जन प्रकृति सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित

विशेष सम्मान समारोह में संत समाज के प्रतिष्ठित महात्माओं का सम्मान कर उन्हें संगठन की सदस्यता प्रदान की गई।इस अवसर पर पंकज गिरी जी महाराज (निरंजनी अखाड़ा), कुलदीप गिरी जी महाराज (निरंजनी अखाड़ा) तथा आचार्य कमलाशंकर तिवारी जी महाराज (ज्योतिषपीठ शंकराचार्य आश्रम, महंत प्रयागराज) ने औपचारिक रूप से जन प्रकृति सेवा ट्रस्ट की सदस्यता ग्रहण की।

सदस्यता ग्रहण करते हुए संतों ने जन जागरण, गौ संरक्षण, प्रकृति संरक्षण एवं नारी सशक्तिकरण जैसे राष्ट्रहित एवं समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थापक रघुवंश उपाध्याय ने कहा कि जन प्रकृति सेवा ट्रस्ट का उद्देश्य केवल संगठन निर्माण नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और जागरूकता की एक नई चेतना स्थापित करना है। संत समाज का मार्गदर्शन हमारे लिए प्रेरणा एवं शक्ति का स्रोत है। कार्यक्रम के दौरान संतों ने संगठन द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक, धार्मिक एवं जनकल्याणकारी अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संगठन वर्तमान समय में समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संतों का पुष्पमाला, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत किया।जन प्रकृति सेवा ट्रस्ट परिवार ने संकल्प लिया कि संगठन आगामी समय में गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं जनहित के कार्यों को और व्यापक स्तर पर संचालित करेगा।

डॉ.सैमुअल हैनिमेन की 271वीं जयंती पर होम्योपैथिक जागरूकता रैली

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में डॉ.सैमुअल हैनिमेन की 271वीं जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर वाराणसी होम्योपैथिक डीलर्स एसोसिएशन, वाराणसी एवं चन्दौली के होम्योपैथिक चिकित्सक, डीलर्स, छात्रों और कर्मचारियों ने जन-जागरूकता रैली में भाग लिया।

शुभारंभ उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान प्राप्त डॉ.कृष्ण कान्त शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर किया। डॉ.सैमुअल हैनिमेन जी के चित्र पर पुष्पवर्षा एवं माल्यार्पण किया गया। उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 'रविदास गेट' पर डॉ.कृष्ण कान्त शुक्ला ने कहा कि ❞मानवता की रक्षा होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली से ही की जा सकती है।❞ प्रोफेसर प्रीतिम सिंह जी एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल यादव ने होम्योपैथिक ओपीडी खोलने की मांग की। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि जब तक सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में होम्योपैथिक ओपीडी प्रांरम्भ नहीं हो जाता, संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में नव प्रवेशी महिला डॉक्टरों को सम्मानित किया गया और वाराणसी होम्योपैथिक डीलर्स एसोसिएशन वाराणसी एवं चन्दौली के डीलर्स को सदस्यता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जन-जागरूकता रैली में डॉ.अमित कुमार, डॉ.अपर्णा, डॉ.पूनम पाण्डेय, डॉ.मोनिका, डॉ.मधु गोस्वामी सहित कई चिकित्सक और सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

जौनपुर में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर संगोष्ठी

सामाजिक न्याय के संकल्प दोहराए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर जिला कार्यालय सदर चुंगी अल्फस्टीनगंज, जौनपुर में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की। कार्यक्रम की शुरूआत उपस्थित कार्यकताओं द्वारा महात्मा फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई। इसके बाद जिला महासचिव आरिफ हबीब के संचालन में विचार गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें फुले के जीवन दर्शन और सामाजिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई।

अध्यक्षीय संबोधन में राकेश मौर्य ने कहा कि महात्मा फुले ने जीवनभर जाति-आधारित भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने समाज में समानता और शिक्षा के महत्व को स्थापित किया। फुले द्वारा स्थापित सत्यशोधक समाज और महिलाओं की शिक्षा के लिए किए गए कार्य आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं।

गोष्ठी को पूर्व विधायक राजनारायण बिंद, लालबहादुर यादव, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, दीपचंद राम, श्यामबहादुर पाल, हीरालाल विश्वकर्मा, डॉ. जितेंद्र यादव सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया और फुले के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष ने अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन पर बूथवार समीक्षा करने की बात कही। साथ ही आगामी 14 अप्रैल को संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को सेक्टर स्तर पर भव्य रूप से मनाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकली भव्य जागरूकता रैली, नामांकन के लिए किया गया प्रेरित

मो.जावेद

मड़ियाहूं,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।

बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने और सरकारी विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को 'स्कूल चलो अभियान' के तहत एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली राणापुर विद्यालय से शुरू होकर गोपालापुर होते हुए भारसठ तक पहुंची।

रैली में शामिल स्कूली बच्चों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया। 'आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे' जैसे नारों के जरिए शिक्षा का महत्व बताया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को प्रेरित करना है, ताकि वे अपने बच्चों का नामांकन विद्यालयों में कराएं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ विद्यालय प्रबंध समिति (SMC) के पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौके पर बाल मंच और सहारा सेवा ट्रस्ट के सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। रोहित बनवासी (रामनगर, जौनपुर) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने घर-घर जाकर शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया।

अखिल भारतीय किसान सभा का मनाया गया 90 वां स्थापना दिवस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब।अखिल भारतीय किसान सभा के 90 वर्ष पूर्ण होने पर आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के खेवली चकरा पर गांव में मास्टर सागर प्रसाद सिंह के आवास पर किसान सभा के लोगों ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ स्थापना दिवस मनाया गया।

स्थापना दिवस समारोह में वरिष्ठ किसान नेता लालमणि वर्मा ने कहा कि किसानो की दुर्दशा को देखकर स्वामी सहजानंद सरस्वती के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर के राजा हरि सिंह,पंडित जवाहर लाल नेहरू, बनारस से संपूणार्नंद आदि महान नेता की उपस्थिति में सन 1936 में दिल्ली में किसान सभा की स्थापना हुई थी। किसान सभा के निशान हसिया हथौड़ा पर पहला चुनाव नेहरू जी लड़े थे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संयुक्त मंत्री किसान सभा वाराणसी शिव शंकर शास्त्री ने कहा कि यह किसान सभा सन 1936 से आज तक किसानों के हक की लड़ाई लड़ती है उन्होंने सरकार से डीजल पेट्रोल बीज खाद कीटनाशक दवा किसानों को मुफ्त देने तथा नीलगायों से फसलों की सुरक्षा, स्मार्ट मीटर पर रोक लगाया जाय, बनारस में जबरन भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाई जाय, मजदूरों के पक्ष में नया चार कोड बिल वापस लिया जाय इत्यादि विभिन्न मांग किया। स्थापना दिवस समारोह में प्रमुख रूप से छेदी लाल मास्टर, रमाशंकर दाढ़ी, कमला प्रसाद, बेचन लाल, गौरी शंकर, श्याम नारायण, केशव, श्यामा प्रसाद, भोलई इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन की कुंजीः प्रो.प्रमोद कुमार यादव

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर शिक्षा और सामाजिक समरसता का संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि महात्मा फुले का जीवन सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा के प्रसार और समानता के मूल्यों का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को शिक्षा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया, जो आज भी मार्गदर्शक है।

प्रो. यादव ने कहा कि फुले जी ने शिक्षा को समाज के कल्याण की कुंजी माना और महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर बालिकाओं के लिए विद्यालय स्थापित कर उस समय की सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती दी। यह प्रयास न केवल साहस का प्रतीक था, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल भी था।

इस अवसर पर जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा को केवल व्यक्तिगत उन्नति का साधन न मानते हुए सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने, शिक्षा का प्रसार करने और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। साथ ही समतामूलक, शिक्षित और जागरूक समाज के निर्माण हेतु महात्मा फुले के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने पर बल दिया गया।

कार्यक्रम में प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. धीरेंद्र चौधरी, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. रामांशु प्रभाकर सिंह, डॉ. दीपक मौर्य सहित अन्य प्राध्यापक, अधिकारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, क्षेत्र में सनसनी

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बक्शा थाना क्षेत्र के दक्षिण पट्टी गांव में सोमवार सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और परिवार में कोहराम मच गया। मृतका की पहचान 27 वर्षीय प्रिया गौतम, पत्नी अजीत कुमार गौतम के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सुबह करीब छह बजे जब घर के लोगों ने उन्हें अचेत अवस्था में देखा, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। प्राथमिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि विवाहिता ने किसी विषैले पदार्थ का सेवन किया हो, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रिया गौतम का विवाह लगभग सात वर्ष पूर्व हुआ था और वह एक बच्चे की मां थीं। उनका मायका बदलापुर थाना क्षेत्र के सुगौली खुर्द गांव में बताया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बच्चों के विवाद में दो सगे भाइयों पर जानलेवा हमला, जिला अस्पताल में भर्ती

जौनपुर के बदलापुर क्षेत्र में पटीदारों के बीच विवाद ने लिया हिंसक रूप, लाठी-डंडा व टेगारी से किया हमला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बदलापुर थाना क्षेत्र के घाटमपुर (थाना बादलपुर) में शनिवार शाम करीब 6 बजे बच्चों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। बताया जा रहा है कि घर के बाहर खेल रहे बच्चों की गेंद पटीदार के घर चली गई, जिसे लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि पटीदारों ने दो सगे भाइयों पर लाठी-डंडा और टेगारी से हमला कर दिया। हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान संदीप यादव (30 वर्ष) पुत्र राजमनी यादव और रमाकांत यादव (35 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय राजमन यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस के जरिए दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने दोनों को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपियों की तलाश कर रही ।

रेलवे ट्रैक पर महिला की दर्दनाक मौत, शिनाख्त में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां एक अज्ञात महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना कबीरुद्दीनपुर गांव के पास रेलवे ट्रैक के किनारे करीब शाम 6 बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लगभग 40 वर्षीय महिला ट्रैक के पास मौजूद थी, तभी अचानक गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला का रंग गेहुआ, कद औसत बताया जा रहा है और वह साड़ी पहने हुई थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतका की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन देर रात तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है और पहचान के प्रयास जारी हैं।

महिला आरक्षण गरिमा, प्रतिनिधित्व और वास्तविक सशक्तिकरण का विषय है : प्रधान

पटना। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर तीखा प्रहार किया, जिससे महिला आरक्षण कानून को लेकर बयानबाजी तेज हो गई। यह प्रतिक्रिया खड़गे की उस टिप्पणी के बाद आई, जिसमें उन्होंने शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने में कांग्रेस की भूमिका को रेखांकित किया और इसे महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया। इस पर जवाब देते हुए प्रधान ने कहा कि महिला आरक्षण गरिमा, प्रतिनिधित्व और वास्तविक सशक्तिकरण का विषय है‡ और इसे राजनीतिक श्रेय की प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाओं को परिणाम चाहिए, न कि बार-बार किए जाने वाले ऐसे वादे जो कभी वास्तविकता में नहीं बदलते। मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि महिला आरक्षण कानून, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दशकों की देरी के बाद पारित किया गया। उन्होंने उल्लेख किया कि 25 वर्षों से अधिक समय तक संसद में महिलाओं के लिए सीट आरक्षण का मुद्दा लंबित वादा बना रहा, जिस पर बार-बार चर्चा हुई लेकिन उसे लागू नहीं किया गया। प्रधान ने कहा कि अब संसद ने 106वां संविधान संशोधन पारित कर दिया है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटें भी शामिल हैं, जिससे यह भारतीय संविधान का हिस्सा बन गया है।

टहलते समय अधिवक्ता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले के कटरा कोतवाली क्षेत्र के कतवारू का पूरा सदभावना नगर में शनिवार की सुबह टहलने निकले पूर्व प्रधान व अधिवक्ता राजीव सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मौके पर पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक जांच करने पहुंचीं। उधर, हत्या की घटना का वीडियो सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गया है। घटना से नाराज लोगों ने दोपहर में चक्काजाम कर दिया। लोगों ने जमकर नारेबाजी की और हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे।

विंध्याचल थाना क्षेत्र के देवरी गांव के पूर्व प्रधान, प्रधानपति व अधिवक्ता राजीव सिंह (50) शहर के कटरा कोतवाली क्षेत्र के कटवारू का पूरा स्थित सद्भावना नगर कॉलोनी में कई वर्षों से रह रहे थे। प्रतिदिन की तरह शनिवार की सुबह व टहलने निकले थे। टहलकर घर वापस आ रहे थे कि सद्भावना नगर चौराहे के पास बाइक से दो लोग पहुंचे। इसमें एक ने तमंचे से उनके सीने में गोली मार दी। गोली मारने के बाद बाइक सवार दोनों व्यक्ति भाग निकले। घटना का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। जिसमें बदमाश गोली मार कर भागते हुए दिखाई दे रहा है। गोली लगने के बाद राजीव सिंह को मंडलीय अस्पताल लेकर आया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गईं। पुलिस टीम को बदमाश की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि राजीव सिंह को गोली लगी है। मृतक व आरोपी दोनों एक गांव के हैं। पूर्व में गांव के ही किसी बात को लेकर दोनों में विवाद था। जिसके चलते हत्या हुई है। मृतक के परिजनों की नामजद तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम हाउस पर अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन आयुक्त डीएम के साथ धक्का -मुक्की अधिवक्ता की हत्या मामले में अधिवक्ताओं ने पोस्टमार्टम हाउस पर प्रदर्शन किया। शव पोस्टमार्टम होने के बाद जब अधिवक्ता के घर के लिए एंबुलेंस से जाने लगा तो अधिवक्ताओं ने रास्ता रोक लिया। अधिवक्ता आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। अधिवताओं का कहना था कि जब तक आरोपी पर कार्रवाई नहीं होती शव जाने नहीं दिया जाएगा। अधिवक्ताओं को समझाने के लिए आयुक्त व डीएम व अन्य अधिकारी पहुंचे। जहां उन्हें भी धक्का मुक्की सहना पड़ा। इसके बाद एंबुलेंस में मृतक अधिवक्ता के परिजनों ने लोगों से अपील की।

भण्डारे के माध्यम से ह्यसेवा ही परमो धर्मह्व का संदेश, शिवरिहां में नवचण्डी पाठ से भक्तिमय हुआ वातावरण

सुजानगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के शिवरिहां गांव स्थित शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित नवचण्डी दुर्गा पाठ एवं भव्य भण्डारे ने पूरे इलाके को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया, जहां श्रद्धा और सेवा का अनुपम संगम देखने को मिला।

इस अवसर पर अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के संरक्षक पन्ना लाल जायसवाल ने कहा कि भण्डारा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि ह्यसेवा ही परमो धर्मह्व के संकल्प को साकार करने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन समाज में सांस्कृतिक चेतना और सामुदायिक सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नवचण्डी दुर्गा पाठ और महामंत्र जाप से हुई, जिसके पश्चात हवन कर विधिवत समापन किया गया। इसके बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था और माता रानी के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूरे क्षेत्र में ह्यजय माता दीह्व के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। आयोजकों अमरचन्द्र जायसवाल एवं राजेश जायसवाल ने अतिथियों का स्वागत किया, वहीं वरिष्ठ समाजसेवी पन्ना लाल जायसवाल ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है, जो सामाजिक समरसता और एकजुटता का प्रतीक बन चुका है। भण्डारे में आसपास के गांवों, बाजारों और दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख श्रीप्रकाश शुक्ला सहित अमर चन्द्र जायसवाल, राजेश जायसवाल, रमाशंकर सिंह, चन्दन जायसवाल, अशोक जायसवाल, रोहित कुमार, संदीप जायसवाल, लक्ष्मण जायसवाल (प्रयागराज), बिजेन्द्र जायसवाल समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डीएम वाराणसी और नगर निगम ने दाखिल किया जवाब, अगली सुनवाई 27 अप्रैल को

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज इलाहाबाद हाईकोर्ट में वाराणसी की प्रसिद्ध दाल मंडी से जुड़े अवमानना मामले में जिला प्रशासन और नगर निगम ने जवाब दाखिल कर दिए हैं। कोर्ट ने उनके हलफनामों को रिकॉर्ड पर लेते हुए अगली सुनवाई के लिए 27 अप्रैल की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने वाजिद अब्बास की अवमानना याचिका पर दिया है. सुनवाई के दौरान अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी और मुख्य स्थायी अधिवक्ता बिपिन बिहारी पांडेय ने कोर्ट को बताया कि डीएम वाराणसी की ओर से दाल मंडी से संबंधित अवमानना याचिकाओं में गत चार अप्रैल को ही जवाब दाखिल कर दिया गया था। तकनीकी कारणों या कार्यालय की चूक के कारण हलफनामे रिकॉर्ड पर नहीं मिल रहे हैं। इस पर कोर्ट ने कार्यालय को उन शपथ पत्रों को तुरंत ढूंढकर फाइल में शामिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने नगर निगम द्वारा 23 मार्च को दाखिल किए गए हलफनामे को स्वीकार कर लिया है। साथ ही जिलाधिकारी वाराणसी की ओर से अन्य संबंधित याचिकाओं में दाखिल जवाबों को भी रिकॉर्ड पर ले लिया है। कोर्ट ने याचियों के वकीलों को प्रशासन द्वारा दाखिल हलफनामों पर प्रति उत्तर के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दाल मंडी से जुड़ी लगभग 20 से अधिक अवमानना याचिकाओं को एकसाथ जोड़ दिया है। इन सभी मामलों पर 27 अप्रैल को संयुक्त रूप से सुनवाई होगी. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस बीच राज्य सरकार शेष सभी संबंधित मामलों में भी अपना जवाब दाखिल कर दे।

जौनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः जहरखुरानी गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार, तमंचा व नशीला पदार्थ बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज व थाना खेतासराय की संयुक्त पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जहरखुरानी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस, नशीला पाउडर, नशीली गोलियां तथा दो चार पहिया वाहन बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान चिरैया मोड़ बिलार मऊ रोड से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में हनुमान निषाद, अंकित निषाद निवासी शम्भूपुर बलुअहवा थाना अहरौला जनपद आजमगढ़ तथा आकाश उर्फ गुलशन यादव निवासी महराजगंज आजमगढ़ शामिल हैं। तलाशी के दौरान आकाश के पास से 0.315 बोर का तमंचा व जिंदा कारतूस तथा हनुमान के पास से करीब 198 ग्राम नशीला पाउडर व नशीली टैबलेट बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ट्रेन व बस से उतरने वाले यात्रियों को वाहन सुविधा के बहाने अपनी कार में बैठाकर खाने-पीने की वस्तुओं में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश कर देते थे और उनका सामान लूटकर रास्ते में उतार देते थे। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य अन्य जनपदों में भी इस प्रकार की वारदातों को अंजाम देते रहे हैं। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक अल्टो कार व लूट के पैसों से खरीदी गई एक स्विफ्ट कार भी बरामद की है। हालांकि, एक अन्य आरोपी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

इस संबंध में थाना शाहगंज पर एनडीपीएस एक्ट व आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही ।

मॉर्निंग वॉक पर निकले अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या, क्षेत्र में सनसनी

मिजार्पुर (उत्तरशक्ति)। कटरा कोतवाली क्षेत्र के सद्भावना नगर में शनिवार सुबह टहलने निकले अधिवक्ता एवं पूर्व प्रधान राजीव सिंह (50) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि राजीव सिंह प्रतिदिन की तरह सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। टहलकर घर लौटते समय सद्भावना नगर चौराहे के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। इनमें से एक ने तमंचे से उनके सीने में गोली मार दी और दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। गंभीर रूप से घायल राजीव सिंह को तत्काल मंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी हैं। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने दोपहर में चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, मृतक और आरोपी एक ही गांव के रहने वाले हैं तथा उनके बीच पूर्व से विवाद चला आ रहा था। परिजनों की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

युवक को पेड़ से बांधकर लाठी-डंडे से पीटा, गई जान

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के पियरिया धर्मशाला के पास बृहस्पतिवार की शाम करीब सात बजे कुछ लोगों ने पेड़ से बांधकर भरौली गांव निवासी रोशन कुमार की जमकर पिटाई कर दी। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, शराब पीने के दौरान हुए विवाद में यह घटना हुई है। शुक्रवार की सुबह मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी राजू निषाद, उसकी पत्नी मुद्रिका, बेटा राज निषाद और दादा खोभारी निषाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। खोभारी और मुद्रिका को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया गया। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के भरौली गांव निवासी प्रभावती पत्नी स्व. रामनिहोर ने बताया कि उनका 26 वर्षीय बेटा रोशन कुमार बृहस्पतिवार की शाम मजदूरी कर घर लौटा था।

बिना स्थगनादेश निर्माण रुकवाने का आरोप, पीड़िता ने समाधान दिवस पर लगाई गुहार

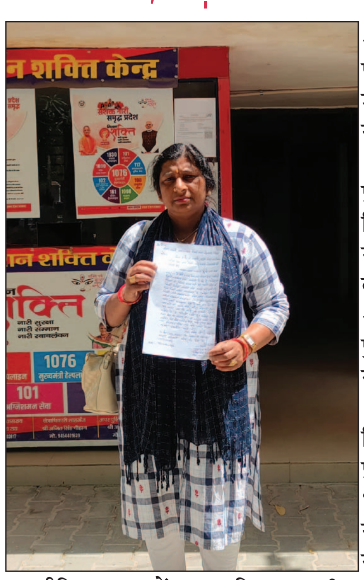

खेतासराय ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना समाधान दिवस पर एक पीड़िता ने प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। कस्बा निवासी कुसुम सिंह ने आरोप लगाया कि बिना किसी स्थगनादेश के उनकी रजिस्ट्रीशुदा भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य को रुकवा दिया गया।

पीड़िता के अनुसार नगर के सोंधी वार्ड स्थित उनकी भूमि का मामला न्यायालय में लंबित था, जिसमें ट्रायल के बाद फैसला उनके पक्ष में हो चुका है। इसके बावजूद राजस्व कर्मियों और पुलिस की मिलीभगत से बिना किसी सक्षम न्यायालय के स्थगनादेश के निर्माण कार्य को रोक दिया गया।

कुसुम सिंह ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि न्यायालय के आदेश की अनदेखी करते हुए राजनीतिक प्रभाव में आकर नियम-कानून को दरकिनार किया जा रहा है और उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने अपने जान-माल की सुरक्षा की भी मांग की है।

इस संबंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि राजस्व निरीक्षक ने रिपोर्ट में बताया गया कि मामला न्यायालय में लम्बित है जो न्यायालय का आदेश होगा उसका पालन होगा पुलिस न तो निर्माण कार्य करवा रही है और न ही रुकवा रही है।

बताया कि थाना समाधान दिवस में कुल छह प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से किसी का भी मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। सभी मामले राजस्व से संबंधित थे। निस्तारण के लिए टीम गठित कर निस्तारण के लिए भेजा गया है।

जौनपुर पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड, ररढ ने परखा अनुशासन और व्यवस्था

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।पुलिस लाइन में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक परेड के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने पुलिस बल की कार्यप्रणाली, अनुशासन और संसाधनों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान परेड में सख्ती और अनुशासन की स्पष्ट झलक देखने को मिली।

ररढ ने परेड की सलामी लेने के बाद टोलीवार ड्रिल का बारीकी से निरीक्षण किया और एकरूपता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशिक्षण ले रहे रिक्रूट आरक्षियों के पासिंग आउट परेड अभ्यास का जायजा लेते हुए उसे और बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

परेड के उपरांत अर्दली रूम में रजिस्टरों और अभिलेखों की जांच की गई। ररढ ने सभी अभिलेखों को अद्यतन और सुव्यवस्थित रखने के निर्देश देते हुए पारदर्शिता और दक्षता पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान वढ-112 वाहनों, अन्य सरकारी गाड़ियों और निगरानी में उपयोग हो रहे ड्रोन कैमरों की भी स्थिति परखी गई। संबंधित प्रभारियों को साफ-सफाई, उपकरणों के रख-रखाव और कार्यक्षमता को लेकर सख्त निर्देश दिए गए।

ररढ ने स्पष्ट कहा कि सरकारी संसाधनों के रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदारी तय की जाएगी।

इस मौके पर सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता, सहायक पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षु) सृष्टि जैन सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जब रोनू की बांसुरी बही और कनकड़ा की आवाज गूंजी, संकट मोचन में थम गई सुरों की रात

सुरेश गांधी

वाराणसी। भारतीय शास्त्रीय संगीत का तीर्थ माने जाने वाले संकट मोचन संगीत समारोह की पंचम निशा शुक्रवार को सुर, लय और भाव की ऐसी त्रिवेणी लेकर आई, जिसमें शास्त्रीय परंपरा की गरिमा और भक्ति का माधुर्य एक साथ प्रवाहित हुआ। हनुमत दरबार में सजी इस संध्या ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि काशी में संगीत केवल कला नहीं, बल्कि साधना है। कार्यक्रम का शुभारंभ लखनऊ घराने के वरिष्ठ नृत्य साधक पंडित राम मोहन महाराज के कथक से हुआ। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में लखनऊ और बनारस घराने की विशिष्टताओं का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। ख्यात तबला वादक पंडित संजू सहाय की संगत में बनारसी उठान से आरंभ हुआ यह नृत्य धीरे-धीरे भाव और भंगिमाओं की गहराई में उतरता गया। मंच पर श्रीकृष्ण-राधा की नोकझोंक, ठाठ के विविध रूप, तिहाइयों की सटीकता और द्रुत लय में तटक ? की गूंज ने वातावरण को जीवंत बना दिया। ह्यदमरू चलत देखो श्याम करतह्व जैसी बंदिश में अभिनय का पक्ष विशेष रूप से उभरकर सामने आया। अंत में घूंघट के पांच अंदाजों ने प्रस्तुति को पूर्णता प्रदान की और दर्शक देर तक तालियों से सराहना करते रहे। इसके बाद सरोद वादन की बारी आई, जहां पंडित तेजेंद्र नारायण मजूमदार ने अपने वादन से राग की गहराई को साकार किया। दो वर्षों के अंतराल के बाद संकट मोचन के मंच पर लौटे इस कलाकार ने आलाप और जोड़ के माध्यम से राग का विस्तार करते हुए स्वरों की शुद्धता और गूंज को सजीव किया। विलंबित तीनताल, मध्यलय झपताल और द्रुत तीनताल में उनकी प्रस्तुति ने संगीत प्रेमियों को बांधे रखा। तबले पर पंडित कुमार बोस की संगत ने लयकारी का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। मंदिर प्रांगण में दीपों की मृदुल रोशनी, आरती की

सुगंध और श्रद्धालुओं की तन्मय उपस्थिति के बीच जब बांसुरी की पहली तान गूंजी, तो वातावरण में एक गहरी शांति उतर आई। कार्यक्रम का आरंभ राग दरबारी कन्नाड़ा से हुआ, एक ऐसा राग जो अपनी गंभीरता और गहराई में मन को भीतर तक स्पर्श करता है। मंद्र से तार सप्तक तक की उनकी सहज यात्रा और स्वर साधना की परिपक्वता ने इस राग को केवल प्रस्तुति नहीं, बल्कि अनुभव बना दिया। रूपक ताल और तीनताल में निबद्ध पुरानी बंदिश ह्यअभी कैसे बने मोरी बात सजनीह्व की प्रस्तुति में रानू मजूमदार ने बांसुरी पर गायकी अंग का अद्भुत प्रदर्शन किया। हर आलाप में भावों की गहराई और हर तान में सूक्ष्मता का ऐसा संतुलन था, जिसने श्रोताओं को देर तक बांधे रखा।

इसके बाद राग भूपाली के सुरों ने वातावरण में मधुरता घोल दी। उत्तर और दक्षिण भारतीय शैलियों की झलक उनके वादन में स्पष्ट दिखाई दी, जिसने प्रस्तुति को और भी समृद्ध बना दिया। किन्तु इस प्रस्तुति का वास्तविक उत्कर्ष तब आया, जब उन्होंने भक्ति और सूफियाना रंगों को एक सूत्र में पिरोते हुए संत मीरा बाई के भजन ह्यपायो जी मैंने प्रेम रतन धन पायोह्व और सूफी संत अमीर खुसरो की अमर रचना ह्यछाप तिलक सब छीनी रे, मोसे नैना मिलाय केह्व को बांसुरी पर साकार किया। यह संगम केवल दो रचनाओं का नहीं था, बल्कि दो परंपराओं के एकत्व का जीवंत प्रमाण था, जहां भक्ति और सूफी एक ही भाव में विलीन हो जाते हैं। ह्यछाप तिलक...ह्व की धुन ने जैसे ही वातावरण में विस्तार लिया, पूरा प्रांगण एक अलौकिक शांति में डूब गया। श्रोताओं की आंखें बंद थीं, मन भीतर की यात्रा पर था और बांसुरी के स्वर आत्मा से संवाद कर रहे थे। ऐसा प्रतीत हुआ मानो समय अपनी गति भूल गया हो और केवल संगीत ही शेष रह गया हो। इस प्रस्तुति में उनके पुत्र ऋषिकेश मजूमदार और शिष्य रोहन बॉस की संगत ने भी नई ऊर्जा का संचार किया। युवा उत्साह और अनुभवी साधना का यह संगम मंच पर स्पष्ट दिखाई दिया। यह केवल एक प्रस्तुति नहीं, बल्कि संगीत परंपरा के निरंतर प्रवाह का प्रतीक बन गया।

रात्रि के चढ़ते ही कर्नाटक शैली के गायक कनकड़ा बनर्जी ने अपनी गायकी से समां बांध दिया। उनके रागों की मधुरता और स्वर-साधना की गहराई ने हनुमत दरबार को एक आध्यात्मिक आभा से भर दिया। उनकी प्रस्तुति में शास्त्रीयता और भावनात्मकता का ऐसा संतुलन था, जिसने श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। पंचम निशा की यह संध्या केवल प्रस्तुतियों का क्रम नहीं थी, बल्कि एक भाव-यात्रा थी, जहां कथक की लय, सरोद की गहराई, बांसुरी की मधुरता और गायन की आत्मीयता एक साथ मिलकर संगीत का एक विराट रूप रच रही थी। अंततः, संकट मोचन की इस सुरमयी रात ने एक बार फिर यह अनुभूति कराई कि जब साधना सच्ची हो, तो संगीत केवल सुना नहीं जाताकृवह आत्मा में उतर जाता है। और उसी आत्मिक स्पर्श के साथ यह निशा देर तक काशी की हवाओं में गूंजती रही।

रक्तदान शिविर 13 अप्रैल को

चिराना। हर साल की भांति इस वर्ष भी ग्राम चिराना की मांगीलाल जी की धर्मशाला में महावीर इंटरनेशनल वीर बहुजन सेवा केंद्र के तत्वावधान में चांदोलिया परिवार की ओर से तीसरा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है,जिसको सफल बनाने हेतु एक आवश्यक मीटिंग नटराज होटल में हुई, जिसमें कार्यकर्ता एवं ग्राम वासी उपस्थित होकर अपने विचार रखे व शिविर को सफल बनाने हेतु कार्यकर्ताओं की टीम गठित की गई और उसके अनुसार ही योजनाएं बनाई। आयोजित मीटिंग को सफल बनाने हेतु चिराना सेवा केंद्र के चेयरमैन डॉ राजेंद्र कुमावत ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि इस प्रकार की सेवा हेतु सभी को बढ़ चढ़ कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा यह तीसरा रक्त शिविर कई खास कारण से विशेष रहेगा। इस दौरान केंद्र के वीर सचिव अनिल बारी,वीर कोषाध्यक्ष बिरजू राम कुमावत,वीरेंद्र सिंह शेखावत,सुशील कुमार अग्रवाल,शिविर आयोजक गिरधारी लाल चांदोलिया,संतोष कुमावत,रामलाल कुमावत, सोहन सैन,मोहम्मद इकबाल, राजेंद्र घोडेला,बसेसर छीनवाल, रामुतार कल्याण,रंजीत वाल्मीकि,ओम प्रकाश कल्याण व श्रवण चंदेल सहित कई जने उपस्थित रहे।.

इंद्रलोक आग हादसाः एडमिनिस्ट्रेशन की लापरवाही से तीन बेगुनाहों की मौत

भायंदर। भायंदर ईस्ट के इंद्रलोक फेज 3 इलाके में सिलेंडर फटने से लगी आग की घटना सिर्फ एक हादसा नहीं है, यह म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन और रेवेन्यू डिपार्टमेंट की भ्रष्ट लापरवाही का क्रूर नतीजा है। इस भयानक हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है, और जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, महाराष्ट्र स्टेट ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और धाराशिव जिले के गार्डियन मिनिस्टर माननीय श्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाइक तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच की और पीड़ित परिवारों को इंसाफ दिलाने का पक्का इरादा जताया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए मासूम बच्चों और जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना जताते हुए, मिनिस्टर प्रताप सरनाइक ने साफ किया कि वह खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक प्रपोजल देंगे ताकि यह पक्का हो सके कि उन्हें सरकार से सही फाइनेंशियल मदद मिले। मंत्री प्रताप सरनाईक ने पक्का इरादा जताया कि एडमिनिस्ट्रेटिव ढिलाई की वजह से आम लोगों की बलि नहीं दी जाएगी और जब तक इंद्रलोक इलाके में चल रहे इस गैर-कानूनी राज को पूरी तरह से खत्म नहीं कर दिया जाता, तब तक वे चैन से नहीं बैठेंगे। जिस इलाके में यह घटना हुई, वह प्राइवेट है और मैंग्रोव एरिया में आता है। नियमों के मुताबिक यहां कंस्ट्रक्शन की इजाजत नहीं है, फिर भी लैंड माफिया ने मैंग्रोव काटकर यहां गैर-कानूनी बस्तियां बसा दी हैं। कमलेश गुप्ता नाम के एक आदमी ने यहां गैर-कानूनी तरीके से झोपड़ियां बनाईं और गरीबों से बहुत ज्यादा किराया वसूला, और गैर-कानूनी बोरवेल और बिजली के कनेक्शन भी दिए। 23 सिलेंडरों का फटना इस इलाके में चल रहे बड़े गैर-कानूनी धंधों का जीता-जागता उदाहरण है।

इस खराब हालात पर गुस्सा दिखाते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने मीरा-भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर और लोकल तहसीलदार को कड़ी फटकार लगाई। बार-बार शिकायत करने के बाद भी एडमिनिस्ट्रेशन ने इन गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को नजरअंदाज क्यों किया? आज अधिकारियों की मेहरबानी से तीन लोगों की जान चली गई। इसके लिए यहां का एडमिनिस्ट्रेशन पूरी तरह से ज़िम्मेदार है, सरनाइक ने इन शब्दों में अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने मामले की पूरी जांच करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सभी गैर-कानूनी बस्तियों को तुरंत बुलडोजर से गिराने का भी निर्देश दिया। हालांकि इस हादसे में मरने वाले लोग पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के लग रहे हैं, लेकिन उनके बांग्लादेशी घुसपैठिए या रोहिंग्या होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मीरा-भायंदर शहर में बढ़ती घुसपैठ एक गंभीर सुरक्षा चिंता है और पुलिस को ऐसी गैर-कानूनी झुग्गियों की पूरी तरह से तलाशी लेनी चाहिए और घुसपैठियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, मंत्री सरनाइक ने पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन को निर्देश दिया है।

घाटकोपर पश्चिम के नारायण नगर में ईद मिलन समारोह का आयोजन सम्पन्न

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम के नारायण नगर में गत दिनों ईद मिलन समारोह का भव्य आयोजन मुंबई कांग्रेस के सचिव अब्दुल सलाम शेख की ओर से किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष और सांसद वर्षा ताई गायकवाड़ उपस्थित थी। ईद मिलन समारोह को संबोधित करते हुए मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा ताई गायकवाड़ ने कहा की कांग्रेस पार्टी सर्वधर्म समभाव वाली पार्टी है। गरीब हो या अमीर सभी को साथ में एकजुट करके ले चलने वाली पार्टी कांग्रेस ही है। इतिहास गवाह है देश को आजादी दिलाने में कांग्रेस के नेताओं का बहुत बड़ा योगदान था। जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। वर्षा ताई गायकवाड़ ने कहा कि ईद मिलन समारोह समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का कार्य करता है। देश में एकता और भाईचारे को बढ़ाने में कांग्रेस पार्टी की अहम भूमिका रही ही है। गायकवाड़ ने महंगाई के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि आज सोने का भाव आसमान छू रहा है। इसके अलावा खाद्य पदार्थों के भाव निरंतर बढ़ने से आम गरीब आदमी की हालत बदतर हो गई है। ईद मिलन समारोह को मुंबई कांग्रेस सचिव सिराज खान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष केतन शाह और समारोह के आयोजक अब्दुल सलाम शेख ने संबोधित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अबुल हसन खान, गफ्फार खान, आवेश खान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने CAHOCON 2026 के 10वें संस्करण का उद्घाटन किया

मुंबई। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने CAHO-CON 2026 के 10वें संस्करण का उद्घाटन किया। यह भारत का प्रमुख स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता सम्मेलन है, जिसका आयोजन कंसोर्टियम ऑफ एक्रेडिटेड हेल्थकेयर ऑर्गेनाइजेशन्स द्वारा किया जाता है। 10 से 12 अप्रैल, 2026 तक चलने वाले इस सम्मेलन में उच्च-प्रभाव वाले वैज्ञानिक सत्र, पैनल चर्चाएं, नवाचार प्रदर्शन और आपसी मेलजोल के अवसर शामिल हैं। इस कार्यक्रम में शोधकताओं और चिकित्सकों द्वारा पोस्टर प्रस्तुतियां भी शामिल हैं, जो नवीन परियोजनाओं को उजागर करती हैं और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देती हैं। अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप की संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. संगीता रेड्डी ने मुख्य भाषण दिया, जबकि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्वालिटी इन हेल्थ केयर के अध्यक्ष और बोर्ड सदस्य डॉ. एजेक्विएल गार्सिया एलोरियो ने विशेष संबोधन दिया। CAHO के अध्यक्ष डॉ. विजय अग्रवाल और महासचिव डॉ. लल्लू जोसेफ उन गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे जिन्होंने विशेष संबोधन दिए। CAHOCON 2026 के आयोजन अध्यक्ष डॉ. नल्ला जी पलानीस्वामी ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया, जबकि सह-आयोजन अध्यक्ष डॉ. एस. मणिवन्नन ने विषयगत संबोधन दिया। आयोजन सचिव डॉ. सतीश देवाडॉस ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। CAHOCON 2026 में लगभग 2,500 स्वास्थ्य सेवा नेता, चिकित्सक, प्रशासक और नीति-निमार्ता एक साथ आए–जिनमें 200 से ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल थे–ताकि मरीजों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता, प्रत्यायन और डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में हुई प्रगति पर विचार-विमर्श किया जा सके। कॉन्फ्रेंस के साथ-साथ, इस इवेंट में 200 से ज्यादा स्टॉल वाली एक बड़ी हेल्थकेयर प्रदर्शनी भी लगी है, जिसमें मेडिकल उपकरण बनाने वाली बड़ी कंपनियों, डिजिटल हेल्थ कंपनियों, दवा कंपनियों और सर्विस देने वालों के नए और बेहतरीन प्रोडक्ट और सर्विस दिखाए जा रहे हैं। अपने मुख्य अतिथि भाषण में, वेंकैया नायडू ने कहा, सरकारों को एक मजबूत हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने को प्राथमिकता देनी चाहिए, खासकर ग्रामीण इलाकों में, ताकि यह पक्का हो सके कि अच्छी क्वालिटी की देखभाल सभी को मिल सके, और हो सके तो मुफ़्त में। हालांकि पिछले कुछ सालों में इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ी है, फिर भी मरीजों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी अपनी जेब से पैसे खर्च करता है, जो एक बड़ी चिंता की बात है।

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में स्वर्गीय वैद्य श्री. मोरेश्वर वैद्य की आठवीं पुण्यतिथि पर व्याख्यान का आयोजन

प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्राचार्य, स्वर्गीय वैद्य श्री. मोरेश्वर वैद्य सर की आठवीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य पर, संस्कृत संहिता विभाग ने समान वायु चिकित्सा विचार₹ इस विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। संस्था के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे ने स्वर्गीय वैद्य मोरेश्वर वैद्य सर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, जिसके बाद आज के व्याख्याता वैद्य माधव भागवत ने धन्वंतरि पूजा की, संस्था के सचिव और महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे, संस्था की विश्वस्त डॉ. ऋजुता दुबे और महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हेमलता शेंडे ने दीप प्रज्वलन किया। इस कार्यक्रम के व्याख्याता वैद्य माधव भागवत को संस्था के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे ने सम्मानित किया और फिर कार्यक्रम शुरू हुआ। वैद्य माधव भागवत ने कहा, बीस से पच्चीस साल तक शुद्ध आयुर्वेद चिकित्सा करते हुए, मुझे यह अनुभव हुआ है कि आयुर्वेद के सिद्धांत कभी नहीं बदलते हैं,₹ उन्होंने पचन संस्थान को नियंत्रित करने वाली समान वायु से जुड़ी बीमारियों और उनकी चिकित्सा को आसान भाषा में समझाया, और औषधी सेवन काल का महत्व भी समझाया। इस प्रोग्राम में महाविद्यालय के सभी अध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित थे' कार्यक्रम का संचालन संस्कृत संहिता विभाग प्रमुख वैद्य शुभांगी पाटिल ने किया।

समर्या क्रिएशन ने लॉन्च किया औमोरा म्यूज़िक सामेर अंजान के साथ भारत का सबसे अलग म्यूज़िक लेबल

मुंबई। भारत की क्रिएटर इकॉनमी ने आज संगीत जगत में सबसे विश्वसनीय कदम रखा। देश की पहली इंटीग्रेटेड क्रिएटर-फर्स्ट कंपनी समर्या क्रिएशन ने आज मुंबई के द क्लब, अंधेरी वेस्ट में औमोरा म्यूज़िक के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की - और इसके संस्थापक पार्टनर हैं गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डधारी गीतकार सामेर अंजान। यह महज एक म्यूज़िक लेबल नहीं है। यह उस सोच का जवाब है जो आज तक भारतीय संगीत में गायब थी - जहाँ एल्गोरिदम नहीं, कलाकार तय करेगा कि संगीत कैसा हो। चार दशकों में 640 से ज्यादा हिंदी फिल्मों के लिए 4,000 से अधिक गाने लिखने वाले सामेर अंजान यहाँ ब्रांड एंबेसेडर नहीं, बल्कि निमार्ता हैं। औमोरा म्यूज़िक पहले से ही 150+ प्लेटफॉर्म्स पर 19 ट्रैक्स के साथ लाइव है, 150+ ओरिजिनल कम्पोज़िशन रिलीज के लिए तैयार हैं - बॉलीवुड, भक्ति, लोक, बाल संगीत, रैप और कंटेम्पोरेरी पॉप सभी जॉनर में। मैंने 4,500 गाने लिखे हैं। मैं जानता हूँ क्या टिकता है और क्या अगली सुबह भूल जाता है। औमोरा म्यूज़िक उन कलाकारों का घर है जिनके पास कहने के लिए कुछ असली है।- सामेर अंजान, संस्थापक, औमोरा म्यूज़िक लेबल के क्रिएटिव इंजन हैं कम्पोजर नील गांधी और निरज विश्वकर्मा (कंप्यूटर साइंस से संगीत तक का सफर) - दो ऐसे नाम जो परंपरा को तोड़कर यहाँ पहुँचे हैं। लेबल का पहला मार्की आर्टिस्ट है Jaexellejay - असली नाम अजय - एक रैपर जो कभी ZomÔto डिलीवरी बॉय था, जिसने स्वतंत्र रूप से 22 गाने बनाए, सब सामाजिक सच्चाइयों पर। अब वो सामेर अंजान की मेंटॉरशिप में एक पूरी क्रिएटर यूनिवर्स के साथ आगे बढ़ेगा। औमोरा म्यूज़िक का 2026-2032 रोडमैप तीन स्तंभों पर खड़ा हैः म्यूज़िक पब्लिशिंग और लाइसेंसिंग, लाइव परफॉर्मेंस और आर्टिस्ट डेवलपमेंट। 2028 तक 500+ ओरिजिनल ट्रैक्स, 8 मेट्रो शहरों में टूर, और UAE, UK, उत्तरी अमेरिका में डायस्पोरा कॉन्सर्ट - यह सिर्फ एक लॉन्च नहीं, एक आंदोलन की शुरूआत है।

घाटकोपर पश्चिम के असल्फा गांव में आयोजित 9दिवसीय रामकथा में उमड़ी भक्तों की भीड़

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम असल्फा गांव के जंगलेश्वर महादेव मंदिर में 5 अप्रैल से 13 अप्रैल तक आयोजित संगीतमय भव्य रामकथा के अंतिम चरण में रामकथा सुनने के लिए श्रोताओं की अच्छी खासी भीड़ जमा हो रही है। बता दें कि यह रामकथा राजराजेश्वरी शक्ति पीठाधीश्वर प्रयागराज के डॉ निवासाचार्य मानस मनीषी के मुखारबिंद से प्रस्तुत की जा रही है। रामकथा में डॉक्टर निवासाचार्य ने कहा कि रामकथा सुनने से जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है । उन्होंने भगवान राम के जन्म के कारणों पर सुंदर प्रकाश , सुंदरकथा सुनाई ।इस कथा का श्रवण करने के लिए सैकड़ों भक्तों के साथ नेताओं और समाजसेवकों का तांता लगा हुआ है। अभी तक रामकथा सुनने के लिए आने वाले प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में पूर्व गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह , डॉक्टर राजेंद्र सिंह,चांदीवली के विधायक दिलीप मामा लांडे , प्रसिद्ध उद्योगपति शारदा प्रसाद सिंह , पूर्व मंत्री नसीम खान , पूर्व मंत्री रमेश दुबे, उद्योगपति ज्ञानप्रकाश सिंह , नगरसेविका अश्विनी मते , शिवसेना विभाग प्रमुख सुरेश पाटिल , सोमनाथ सांगले , संजय भालेराव , उदय प्रताप सिंह, रामबक्स सिंह, आर टी आई एक्टिविस्ट अनिल गलगली,अखिलेश सिंह, शुभ्रांशु दीक्षित दामोदर शर्मा , हरीश पांडे , बल्ले सिंह , हरीश दुबे , चंद्रेश दुबे सहित बड़ी संख्या में लोग रामकथा सुनने के लिए आ चुके हैं।इस संगीतमय रामकथा का आयोजन घाटकोपर के उद्योगपति रमेश छेदी सिंह ने किया है। कार्यक्रम के सफल संचालन में रितेश रमेश सिंह और हितेश रमेश सिंह, राजकुमार दीक्षित महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह रामकथा राम भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

जिला परिषद पालघर में उत्साहपूर्वक मनाई गई महात्मा फुले जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में शनिवार 11 अप्रैल 2026 को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती बड़े उत्साह व श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर ने महात्मा फुले की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर वक्ताओं ने महात्मा फुले के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे एक महान समाज सुधारक, विचारक व शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने स्त्री शिक्षा की नींव रखी और सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर देश की पहली बालिका विद्यालय की स्थापना की। उन्होंने किसानों, दलितों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। ह्यसत्यशोधक समाजह्व की स्थापना कर उन्होंने सामाजिक समानता और न्याय का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा फुले के विचारों को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलकर समाज में समानता व जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी विजय वर्लीकर सहित जिला परिषद के विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मणिपाल हॉस्पिटल्स ने मल्टीडिसिप्लिनरी लिवर एवं जीआई इंस्टीट्यूट का शुभारंभ

मुंबई/कोलकाता। पूर्वी भारत में विशेष स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाई देने की दिशा में मणिपाल हॉस्पिटल ईएम बाइपास, जो मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप की एक इकाई है, ने अपने इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड डाइजेस्टिव डिसऑर्डर्स एंड लिवर केयर सेंटर की शुरूआत की है। उन्नत गैस्ट्रो एवं लिवर केयर के लिए एक समग्र केंद्र के रूप में डिजाइन किया गया यह संस्थान अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स, विशेषज्ञों द्वारा संचालित बहु-विषयक देखभाल और लिवर ट्रांसप्लांट सेवाओं सहित जटिल उपचारों को एकीकृत प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराता है। निर्बाध और रोगी-केंद्रित देखभाल पर केंद्रित यह केंद्र क्षेत्र में लिवर और पाचन संबंधी रोगों के उपचार और प्रबंधन के मानकों को नया आयाम देने का लक्ष्य रखता है। लॉन्च कार्यक्रम में वरिष्ठ नेतृत्व एवं चिकित्सा विशेषज्ञों की उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. सुमंता डे, सीनियर कंसल्टेंट एवं एचओडी झ्र रोबोटिक, एडवांस्ड लैप्रोस्कोपिक, बैरियाट्रिक एवं गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल ईएम बाइपास; डॉ. जयन्त रेड्डी, लीड कंसल्ट सर्जन एवं हेड-एचपीबी सर्जरी, मल्टी-ऑर्गन एब्डॉमिनल ट्रांसप्लांट एवं हेपेटोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल्स, बेंगलुरु; डॉ. संजय बसु, सीनियर कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर; डॉ. शुभायु बनर्जी, कंसल्टेंट जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक जीआई एवं ऑन्कोलॉजी सर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर एवं धाकुरिया; डॉ. प्रदीप्त कुमार सेठी, डायरेक्टर-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल ईएम बाइपास एवं मुकुंदपुर क्लस्टर, डॉ. अयनाभ देबगुप्ता, रीजनल डायरेक्टर, मणिपाल हॉस्पिटल्स ईस्ट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। सभी ने जटिल लिवर एवं पाचन रोगों से निपटने में विशेषीकृत और एकीकृत देखभाल के महत्व पर बल दिया। स्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड डाइजेस्टिव डिसऑर्डर्स एंड लिवर केयर सेंटर को एक समग्र, रोगी-केंद्रित सुविधा के रूप में विकसित किया गया है, जो प्रारंभिक निदान और निवारक स्क्रीनिंग से लेकर उन्नत चिकित्सा प्रबंधन, लिवर ट्रांसप्लांट सेवाओं और जटिल सर्जिकल हस्तक्षेपों तक संपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है। यह केंद्र फैटी लिवर डिजीज, हेपेटाइटिस, सिरोसिस, लिवर कैंसर, पैंक्रियाटिक विकार, इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर सहित अनेक बीमारियों के उपचार हेतु अत्याधुनिक तकनीक और क्लिनिकल विशेषज्ञता का समन्वय करता है। उन्नत एंडोस्कोपी सुइट्स, मिनिमली इनवेसिव और रोबोटिक सर्जिकल क्षमताओं तथा समर्पित लिवर केयर यूनिट्स से लैस यह केंद्र एक मजबूत लिवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम भी संचालित करता है, जो एंड-स्टेज लिवर डिजीज, एक्यूट लिवर फेल्योर और कुछ लिवर कैंसर से पीड़ित मरीजों के लिए जीवनरक्षक उपचार प्रदान करता है। समय पर हस्तक्षेप से जीवित रहने की संभावना और जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है। क्लिनिकल उत्कृष्टता के साथ-साथ यह केंद्र जीवनशैली प्रबंधन, पोषण परामर्श और दीर्घकालिक निगरानी पर भी जोर देता है ताकि समग्र रिकवरी सुनिश्चित की जा सके।

10 लोगों की दर्दनाक मौत, 25 घायल, पिकअप ट्रक और बस की भीषण टक्कर से मची चीख पुकार

नेशनल डेस्क : बिहार के कटिहार जिले से दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना सामने आई है, जहां एक भीषण हादसे में 10 लोगों की जान चली गई। यह हादसा कोढ़ा थाना क्षेत्र के ठल्ल-31 पर बसगड़ा चौक के पास दातपुर मुसहरी चौक के नजदीक हुआ, जब एक बस और पिकअप वैन के बीच जोरदार टक्कर हो गई। ादसा इतना भीषण था कि टक्कर की चपेट में पास से गुजर रही दो मोटरसाइकिलें भी आ गईं। इन बाइकों पर सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास का इलाका दहल उठा और अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हरदा से पूर्णिया जा रही बस का चालक नशे की हालत में था और रास्ते में पहले भी एक-दो जगह टक्कर मार चुका था। जैसे ही बस दातपुर मुसहरी चौक के पास पहुंची, सामने से आ रही पिकअप वैन से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई, जिससे यह बड़ा हादसा हो गया। हादसे में 25 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर है। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। ड्राइवर की भूमिका और नशे की पुष्टि के लिए भी जांच जारी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि घटनास्थल पर हर तरफ चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

ईरान को भी नहीं पाकिस्तान पर भरोसा! इस्लामाबाद भेजे नकली विमान, असली प्रतिनिधिमंडल की छुपाई पहचान

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता से पहले एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, ईरान को अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता थी, जिसके चलते उसने असाधारण कदम उठाए। बताया जा रहा है कि ईरान को पाकिस्तान में संभावित हवाई हमले या सुरक्षा खतरे का डर था। इसी वजह से उसने इस्लामाबाद जाने के लिए कई डमी विमान भेजे। इन विमानों का उद्देश्य असली प्रतिनिधिमंडल की पहचान छिपाना और संभावित खतरे को भ्रमित करना था।सूत्रों के मुताबिक, केवल एक विमान में असली ईरानी प्रतिनिधिमंडल सवार था, जबकि बाकी विमान सुरक्षा रणनीति का हिस्सा थे। इस कदम को एक डिकॉय ऑपरेशन के रूप में देखा जा रहा है, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर हाई-रिस्क स्थितियों में किया जाता है। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मोहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं। उनके साथ विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी इस महत्वपूर्ण वार्ता में शामिल हैं। यह पूरी घटना ऐसे समय सामने आई है जब पाकिस्तान खुद को इस शांति वार्ता का मेजबान और मध्यस्थ बता रहा है। लेकिन इस तरह की खबरों से उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जे डी वेंस इस वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनेर भी मौजूद हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम दिखाता है कि ईरान इस वार्ता को लेकर कितना सतर्क और गंभीर है। साथ ही यह भी संकेत देता है कि क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति अभी भी बेहद नाजुक बनी हुई है।

इस्लामाबाद वार्ता के बावजूद ईरान का सख्त संदेश, अमेरिका पर विश्वास नहीं

इस्लामाबाद में शांति वार्ता के बावजूद ईरान की सरकारी प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने सख्त रुख दिखाते साफ कहा है कि बातचीत के बावजूद उनकी उंगलियां ट्रिगर पर रहेंगी। उनका यह बयान दर्शाता है कि तेहरान किसी भी स्थिति के लिए तैयार है और अपने अधिकारों से समझौता नहीं करेगा उन्होंने यह भी कहा कि ईरान बातचीत में विश्वास करता है, लेकिन अमेरिका पर भरोसा नहीं करता। यही वजह है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल बेहद सावधानी और रणनीति के साथ वार्ता में हिस्सा ले रहा है। इस बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने शहबाज शरीफ से मुलाकात की, जो इस पूरे कूटनीतिक घटनाक्रम का अहम हिस्सा है। शहर का सेरेना होटल इस समय कूटनीतिक गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है, जहां भारी सुरक्षा के बीच दोनों देशों के प्रतिनिधि मौजूद हैं। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मोहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं, जबकि अमेरिकी टीम में स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनेर भी शामिल हैं। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने भी साफ कहा है कि समझौता इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका “America First नीति अपनाता है या “Israel First” रिपोट्र्स के अनुसार, ईरानी विमान को पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते समय अहअउर और फाइटर जेट्स के साथ सुरक्षा दी गई, जो इस मिशन की संवेदनशीलता को दिखाता है। इस्लामाबाद की वार्ता में एक तरफ बातचीत है, तो दूसरी तरफ युद्ध की तैयारी का संकेत भी। ट्रिगर पर उंगली वाला बयान साफ करता है कि शांति की राह अभी भी बेहद नाजुक और अनिश्चित है।

हरियाणा में शहरों व गांवों में इतने घंटे से अधिक बिजली कटी तो नपेंगे अधिकारी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने पिछले 6 महीनों में बिजली आपूर्ति में व्यवधान की समीक्षा करते हुए अफसरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों में अधिकतम 2 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 4 घंटे से अधिक बिजली बाधित नहीं होनी चाहिए। इससे अधिक अवधि होने पर संबंधित अधिकारियों, विशेषकर एस.ई., के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा गंभीर मामलों में निलंबन तक की कार्रवाई संभव होगी। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को कहा कि इनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान की जाए। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि सरकारी भवनों में सोलर सिस्टम तथा पी.एम. सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर आने वाले सर्कल को अवार्ड दिया जाएगा। बैठक में विज ने ट्रांसफार्मरों के त्वरित प्रतिस्थापन पर बल देते हुए निर्देश दिया कि मरम्मत कार्यों के दौरान मेंटेनेंस स्टाफ के पास आवश्यक उपकरण सुरक्षा साधन एवं ट्रांसफार्मर ट्रॉली उपलब्ध होनी चाहिए। इस पर आयुक्त एवं सचिव ने आश्वासन दिया कि 2 दिनों के भीतर सभी कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। विज ने यह भी निर्देश दिया कि भविष्य में स्थापित होने वाले सभी बिजली सब स्टेशन जलभराव वाले क्षेत्रों में न बनाए जाएं अथवा उन्हें संभावित जलस्तर से कम से कम 2 फुट ऊंचाई पर स्थापित किया जाए।